मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शनिवार, 29 मार्च 2025

संवत 2081, चैत्र कृष्णपक्ष 15 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 203 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ अगले साल तक कैसे खत्म हो पाएगा लाल आतंक

जान से मारेन की धमकियों पर सलमान बोले- ◀◀ 6

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

झारखण्ड के लगभग 4 करोड़ लोगों का अबुआ बजट 2025-26

₹1 लाख 45 हजार 400 करोड़ का कुल बजट

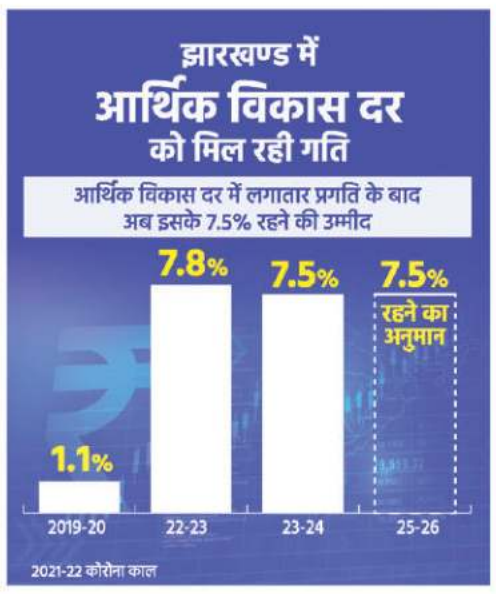

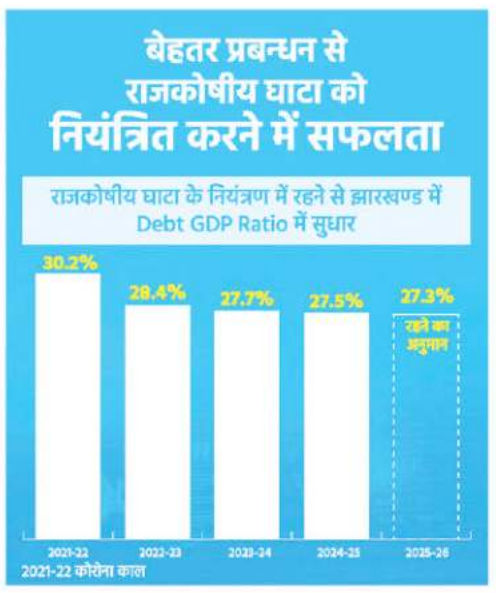

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

मंईयां सम्मान के लिए
₹13 हजार 363 करोड़ 35 लाख

सामाजिक सुरक्षा के लिए
₹22 हजार 23 करोड़ 33 लाख 85 हजार

ग्रामीण क्षेत्र में आय के स्रोत के लिए
12 करोड़ मानव दिवस सृजन

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों के लिए
MSME निदेशालय
की स्थापना

बच्चों के लिए
₹9 हजार 411 करोड़ 27 लाख

किशोरियों के लिए
- सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना एवं
- मुख्यमंत्री कन्यादान योजना हेतु

₹310 करोड़

शिक्षा के लिए

प्रारंभिक/माध्यमिक के लिए
₹15 हजार 198 करोड़ 35 लाख

उच्च एवं तकनीकी के लिए
₹2 हजार 409 करोड़ 20 लाख 96 हजार

स्वास्थ्य सुविधा के लिए
₹7 हजार 470 करोड़ 50 लाख 86 हजार

पंचायती राज व्यवस्था के लिए
₹2 हजार 144 करोड़ 78 लाख 14 हजार

पेयजल के लिए
₹4 हजार 710 करोड़ 2 लाख 56 हजार

युवाओं को स्वरोजगार के लिए
आसान और कम ब्याज पर लोन सुविधा

उद्योग विस्तार के लिए
₹486 करोड़ 31 लाख 61 हजार

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति
पलाश मार्ट को **₹30 करोड़**

निगम ने गीले और सूखे कचड़े के उठाव को लेकर बनाया नया नियम

निर्देशों का पालन नहीं करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम ने शहर को स्वच्छ बनाने व रखने को लेकर अहम निर्णय लिया है। इसके तहत एक अप्रैल से गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग किए बिना कूड़ा नहीं उठाया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति, सोसाइटी या प्रतिष्ठान बार-बार इस नियम का पालन नहीं करता है, तो उसके घर या सोसाइटी के बाहर लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट किया जाएगा ताकि अन्य लोग भी सतर्क रहें। यदि कोई बार-बार निदेर्शों का उल्लंघन करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कदम उठाये जाएंगे।

क्या कार्रवाई हो सकती है

1। पहले नोटिस दिया जाएगा

नियम तोड़ने वालों को पहले नोटिस भेजा जाएगा, जिसमें उन्हें कूड़े के सही निपटान के निर्देश दिये जाएंगे।

2। सेवाएं बंद की जाएंगी

यदि नोटिस के बाद भी सुधार नहीं किया गया, तो संबंधित प्रतिष्ठान, सोसाइटी या उसके घर का पानी का कनेक्शन काट दिया जाएगा।

3। इसके अलावा अन्य सुविधाएं भी बंद कर दी जाएगी। किसी भी की कीमत पर मिक्स कूड़ा नहीं उठाया जाएगा। बार-बार नियम तोड़ने वालों का कूड़ा नहीं लिया जाएगा।

नियम को कड़ाई से लागू करने के लिए बनायी जाएगी विशेष टीमः रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप सिंह ने बताया कि इस नियम को कड़ाई से लागू करने के लिए एक विशेष टीम बनाई जाएगी। 100 फीसदी डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण और स्रोत पर ही कूड़े के पृथक्करण को सुनिश्चित करने के लिए कई अहम फैसले लिए गए हैं। नगर निगम का यह कदम शहर को स्वच्छ बनाने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए उठाया गया है। सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे गीले और सूखे कूड़े को अलग करें और शहर की स्वच्छता में योगदान दें

नगर निगम चलाएगा स्वच्छता जागरूकता अभियानः नगर निगम ने स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाने का फैसला किया है। प्रशासक संदीप सिंह ने समीक्षा बैठक में स्वच्छता टीम को निर्देश दिए कि गीले और सूखे कूड़े के अलगाव को सुनिश्चित करने के लिए प्रचार-प्रसार तेज किया जाए।

स्वच्छता जागरूकता बढ़ाने के लिए होंगे ये प्रयासः लोगो को जागरूक करने के लिए मीडिया प्रचार से अखबार, टीवी और रेडियो के माध्यम से लोगों को स्वच्छता नियमों की जानकारी दी जाएगी। सोशल मीडिया अभियान से फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर स्वच्छता से जुड़े संदेश साझा किए जाएंगे। लाउडस्पीकर से प्रचार की जाएगी। नगर के विभिन्न इलाकों में लाउडस्पीकर के जरिये लोगों को जागरूक किया जाएगा। नुक्कड़ नाटक के जरिये सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक आयोजित कर स्वच्छता का महत्व बताया जाएगा। स्वच्छता रथ की सहायता से प्रत्येक वार्ड में स्वच्छता रथ चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। नगर निगम ने सभी से अपील की है कि वे इस अभियान में सहयोग करें और स्वच्छता को अपनी आदत बनाएं।

चंपाई सोरेन ने की प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग, मंत्री रामदास ने किया पलटवार

संवाददाता

रांचीः राज्य में बढ़ती अपराधिक घटनाओं को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो चुकी है। पिछले दिनों विधानसभा सत्र के आखिरी दिन भाजपा विधायकों ने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग कर दी। चंपाई सोरेन द्वारा दिया गया बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया।

चंपाई सोरेन के बयान पर पलटवार करते हुए झारखंड सरकार में शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा, अब चंपाई सोरेन भाजपा के द्वारा सिखाई गई भाषा का उपयोग करने लगे हैं, वो भूल जा रहे हैं। भाजपा शाशित राज्यों में कितना अपराध हो रहा है। राज्य की हेमंत सरकार क्राइम कंट्रोल करने के लिए लगातार प्रयासरत है और जो अपराधिक घटनाएं घटी निश्चित तौर पर दोषियों को चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी।

'भाजपा को आदिवासी नेता चंपाई सोरेन का सम्मान कर उन्हें राज्यसभा भेजना चाहिए'

भाजपा नेता सह पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन पर चुटकी लेते हुए शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा, चंपाई सोरेन हमारे पुराने साथी रह चुके हैं। हम लोगों ने एक साथ झामुमो में लंबे अरसे तक काम किया। लेकिन भाजपा द्वारा गुमराह किए जाने पर वो भाजपा में गए कारण है, उन्हें लगा वो मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्हें भाजपा में उचित सम्मान मिलेगा। लेकिन भाजपा ने उन्हें कितना सम्मान दिया। वो वर्तमान में दिख रहा है।

राज्य में चल रहे हजारों करोड़ के अवैध बालू कारोबार तंत्र को ध्वस्त करें ईडीः बाबूलाल मरांडी

रांचीः झारखंड में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में आम जनता को सस्ता बालू नहीं मिलने के सवाल पर तीखी प्रतिक्रिया दी। मरांडी ने कहा कि राज्य में बालू के लिए हाहाकार मचा हुआ है। बालू के लिए आम जनता की जेब से मनमानी कीमत वसूली जा रही है।

बाबूलाल मरांडी ने आगे कहा कि रांची में निर्माण कार्य के लिए इस्तेमाल होने वाला बालू प्रायः सिल्ली, बुंडू और सोनाहातू से लाया जाता है। जब बालू घाट से निकलता है तो उसकी कीमत लगभग 5,000 होती है, लेकिन रांची पहुंचते- पहुंचते इसका दाम 45,000 के पार चला जाता है। उन्होंने कहा कि महज 60 किमी की दूरी में कीमत में नौ गुना इजाफा कोई संयोग नहीं, बल्कि एक संगठित अवैध कारोबार का नतीजा है जिसमें खुद मुख्यमंत्री, खनन माफिया, ट्रांसपोर्टर, अधिकारी और दलालों का गठजोड़ शामिल है। बालू घाट पर अवैध एंट्री, परिवहन के दौरान अवैध पासिंग और ब्लैक मार्केटिंग के माध्यम से आम जनता से भारी रकम वसूली जाती है।

मरांडी ने कहा कि झारखंड में तकरीबन 440 बालू घाटों में से केवल 31 कानूनी रूप से संचालित हैं जिसके परिणामस्वरूप, आम आदमी को निर्माण के लिए कई गुना महंगा बालू खरीदना पड़ रहा है। इस खेल में शामिल हर शख्स अपने हिस्से की कमाई कर रहा है, लेकिन इसकी असली कीमत जनता को चुकानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय संज्ञान लेकर झारखंड में चल रहे हजारों करोड़ के अवैध बालू कारोबार तंत्र को ध्वस्त करें, ताकि आम जनता को सस्ती कीमत पर पर्याप्त बालू उपलब्ध कराया जा सके और राजस्व के नुकसान को कम किया जा सके।

सीएम हेमंत से गौतम अदाणी ने की मुलाकात, कई विषयों पर की चर्चा

रांचीः अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार अदाणी बीते शुक्रवार शाम रांची में मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचे। सोरेन के साथ उनकी मुलाकात करीब 2 घंटे तक चली। बयान में कहा गया है कि इस अवसर पर झारखंड में निवेश से जुड़े कई विषयों पर चर्चा हुई। पिछले वर्ष नवंबर में राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन के लगातार दूसरी बार सत्ता में आने के बाद अदाणी की सोरेन के साथ यह पहली मुलाकात है। वहीं, गौतम अदाणी और हेमंत सोरेन की मुलाकात के बाद राजनीति सियासत तेज हो गई है। राजनीतिक दृष्टिकोण से हेमंत सोरेन और गौतम अदाणी की मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। अदाणी समूह के चेयरमैन पहली बार औपचारिक रूप से हेमंत सोरेन से मुलाकात के लिए रांची पहुंचे हैं।

उपायुक्त ने सरहुल शोभा यात्रा की तैयारियों का लिया जायजा

रांची : सरहुल पर्व की तैयारियां जोरों पर है। इसे लेकर रांची डीसी हातमा सरना स्थल पहुंचे और शोभा यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सरना स्थल की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य आवश्यक इंतजामों की समीक्षा की। इस दौरान जगलाल पाहन ने डीसी से आग्रह किया कि लाइटिंग, जलापूर्ति और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाये, ताकि सरहुल शोभायात्रा सुचारू रूप से संपन्न हो सके। बता दें कि सरहुल शोभायात्रा हातमा सरना स्थल से निकलेगी, जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए अपने निर्धारित गंतव्य तक पहुंचेगी। इस पर्व को लेकर स्थानीय प्रशासन ने कड़े इंतजाम किये हैं। वहीं पर्व को लेकर सरना धर्मावलंबियों में खासा उत्साह है।

भारत सरकार के अधिकारियों ने किया रुडसेट संस्थान का निरीक्षण

मुरीः धर्मस्थला मंजूनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली का ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के अधिकारियों ने निरीक्षण किया। निरीक्षण में सुदीप दत्ता अवर सचिव, मैरी थॉमस अवर सचिव, निधि रावत डीपीएमए मौजूद रहे। साथ ही अशोक कुमार सिन्हा डिविजनल मैनेजर केनरा बैंक रांची, संजीत कुमार निदेशक रूडसेट संस्थान सिल्ली, शशिभूषण मिश्रा राज्य निदेशक झारखंड, चंद्र भूषण पांडेय,राज्य असेसमेंट कंट्रोल झारखण्ड, शिशिर कुमार जे एसएलपीएस रांची भी रूडसेट संस्थान में उपस्थित हुए और संस्थान के कार्यकलाप का निरीक्षण किया तथा संस्थान में चल रहे 30 दिवसीय महिला वस्त्र निर्माण एवं 13 दिवसीय होटीकलचर प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षणार्थी से बात की और उनके साथ अनुभव साक्षा किया। पूर्व प्रशिक्षणार्थी भानुमाती देवी और रिंकू देवी, नागेंद्र महतो ने अपने व्यवसाय के बारे में परिचय

दिया और रुडसेटी बाजार भी लगाया। मुख्य अतिथि सुदीप दत्ता ने कहा कि रूडसेट संस्थान राज्य का एक उत्कृष्ट संस्थान है। यहां के प्रशिक्षणार्थियों का आत्म विश्वास देखकर मैं बहुत खुश हूं। आप सभी लोग जल्द अपना स्वयं का स्वरोजगार शुरू करे और दूसरे लोग को अपने स्वरोजगार से जोड़े । मैरी थॉमस अवर सचिव ने कहा कि मैं झारखंड की महिलाओं के अन्दर के आत्म विश्वास और कार्य करने की उत्साह को देखकर मुझे काफी खुशी महसूस हो रही है यहां प्रशिक्षण के साथ- साथ व्यवहारिक ज्ञान का भी प्रशिक्षण दिया जाता है और स्वस्थ रहने के लिए सुबह में योग भी सिखाया जाता है। निधि रावत ने कहा कि मैं काफी जगह गई हु और वह कार्यकलाप का निरीक्षण किया ही लेकिन रूडसेट संस्थान सिल्ली कैम्पस और इंफ्रास्ट्रक्चर का भी तारीफ किए । निदेशक संजीत कुमार ने संस्थान के बारे में विस्तार जानकारी दिए। मंच का संचालन वरिष्ठ संकाय अनिल कुमार ने किया और डिविजनल मैनेजर अशोक सिंहा ने बैंक के सभी योजना के बारे में जानकारी दिए और अतिथि का धन्यवाद ज्ञापन किया । सभी अधिकारीगण ने धर्मपुर गांव का भी भ्रमण किया । गांव के लोगों से बात की और उनकी आवश्यकताओं के बारे मे जाना। मौके पर अनिल कुमार, जगदीश महतो,दशरथ कुमार महतो ,मौसमी गोराई, बसंती देवी नागेंद्र महतो, पिकी कुमारी , बेबी कुमारी,महेश रुहिदास, सुनील मुंडा उपस्थिति रहे।

मार्च में ही हुई जून वाली गर्मी, धूप से लोग बेहाल

रांचीः मार्च महीने में ही राज्य में गर्मी ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। राज्य में तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है। जिससे लोगों का गर्मी से हाल बेहाल होने लगा है।

मौसम विभाग के मुताबिक आज भी लोगों को गर्मी से राहत मिलने की संभावना नहीं है। आज राज्य में अधिकतम तापमान 40 डिग्री के करीब या इसके पार जा सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक आज अधिकतम तापमान 41 डिग्री तक जा सकता है। गढ़वा, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां में अधिकतम तापमान 41-42 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक मौसम में अभी कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। वहीं, राज्य में पिछले 24 घंटे धूप इतनी तेज थी कि मानो आसमान से आग के गोले बरस रहे हो। गर्म हवा ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया। मौसम विभाग ने लोगों से दोपहर के समय घर से बाहर न निकलने को कहा है।

मंईयां योजना लागू कराना प्रशासन की जिम्मेदारी : उपायुक्त

रांचीः मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का धरातल पर प्रभावशाली क्रियान्यवन कराना जिला प्रशासन का दायित्व है। लाभुकों के बीच योजना को लेकर सकारात्मक फीडबैक जाये, इसे जिला प्रशासन की टीम को सुनिश्चित करना है। जिन लाभुकों के खाते में सम्मान राशि नहीं आयी है, उन्हें बतायें कि सत्यापन के बाद सभी योग्य लाभुकों को योजना का लाभ मिलेगा। यह बात डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को कही। डीसी औचक निरीक्षण में वार्ड संख्या-दो हतमा भट्ठा उप टोला में चल रही योजना का सत्यापन देखने पहुंचे थे।

लाभुकों के सत्यापन पर फोकस करें: डीसी ने आंगनबाड़ी सेविकाओं को निर्देश देते हुए कहा कि लाभुकों के सत्यापन पर फोकस करें। सभी आंगनबाड़ी सेविका अपने-अपने क्षेत्र में लाभुकों के सत्यापन का कार्य करें। डीसी ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में सत्यापन फॉर्म का सुचारू वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

रीमिक्स फॉल में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत

रांचीः मारंगहादा थाना क्षेत्र के रीमिक्स फॉल में नहाने गये दो सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गयी। दोनों मृतक रांची के कोकर अयोध्यापुरी निवासी संजय यादव के बेटे शुभम कुमार (16 वर्ष) और राज कुमार उर्फ बीसी (13 वर्ष) शामिल हैं।

रीमिक्स फॉल गये थे आठ युवकः रांची से एक स्कॉर्पियो में कुल आठ युवक घूमने के लिए रीमिक्स फॉल गये थे। जहां नहाने के क्रम में राज डूबने लगा। छोटे भाई को डूबता देखकर शुभम उसे बचाने गया, तो वह भी डूबने लगा। इस क्रम में शोर मचाने पर वहां कई लोग आ गये। दोनों भाइयों को निकालने के लिए दोस्त व स्थानीय लोग पानी में कूद गये। लोगों ने किसी तरह राजकुमार को बाहर निकाला। उसे गंभीर अवस्था में तत्काल मारंगहादा पीएचसी ले जाया गया और वहां से उसे बुंडू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। वहां चिकित्सकों ने राज कुमार को मृत घोषित कर दिया गया।

तीन घंटे बाद निकला शुभम का शवः वहीं शुभम कुमार का शव लगभग तीन घंटे बाद बाहर निकाला जा सका। शुभम के शव का पोस्टमार्टम खूंटी में तथा राज के शव का पोस्टमार्टम रिम्स में किया जायेगा।

राणा सांगा के अपमान के विरोध में राजपूत समाज ने किया पुतला दहन

संवाददाता

रांचीः अखिल राजपूताना कल्याण न्यास द्वारा आयोजित कार्यक्रम अखंड भारत देने वाले अमर शहीद पूर्वजों का अपमान बंद करो का विरोध मार्च रांची यूनिवर्सिटी गेट से शुरू होकर फिरायालाल चौक तक पहुंचा। इस विरोध मार्च में रांची शहर के विभिन्न इलाकों से हजारों की संख्या में राजपूत समाज के लोग एकजुट होकर अपने अमर शहीद पूर्वजों के सम्मान में प्रदर्शन करने पहुंचे। इस मार्च ने समाज में एकता, साहस और वीरता का प्रतीक प्रस्तुत किया और यह संदेश दिया कि राजपूत समाज अपने पूर्वजों के अपमान को किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेगा।विरोध मार्च के बाद सभी लोग एकजुट होकर फिरायालाल चौक पर एकत्र हुए, जहां इस आंदोलन का मुख्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। यहां पर रामजी लाल सुमन द्वारा हमारे अमर शहीद वीर पूर्वज राणा सांगा के खिलाफ दिए गए अपमानजनक बयान, जिसमें उन्होंने राणा सांगा को गद्दार कहा था, पर तीव्र विरोध व्यक्त किया गया। इस बयान को पूरी तरह से नकारते हुए, राजपूत समाज के लोगों ने इसका विरोध करते हुए रामजी लाल सुमन का पुतला दहन किया। पुतला दहन करते समय समाज के लोग गुस्से से भरपूर थे और उन्होंने पुतले को जूते और चप्पलों से मारा, यह प्रदर्शन इस बात का प्रतीक था कि राजपूत समाज किसी भी व्यक्ति को, जो हमारे पूर्वजों का अपमान करेगा, उसे कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। साथ हीं भारत माता की जय ,राजपूत एकता जिंदाबाद, जय भवानी, जैसे नारों के साथ विराध में भी नारे लगाए गए, किस्जो भी हमारे पूर्वजों के साथ खिलवाड़ करेगा या उनका बदनाम करेगा, राजपूत समाज उसे कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। उसकी ईट से ईट बजा दी जाएगी।

यह विरोध प्रदर्शन एक स्पष्ट संदेश है कि राजपूत समाज अपने गौरव, वीरता और पूर्वजों के सम्मान की रक्षा के लिए कभी भी एकजुट होकर खड़ा हो सकता है। यह आंदोलन न केवल हमारे पूर्वजों की गरिमा की रक्षा करने के लिए था, बल्कि यह भी दशार्ता है कि समाज में ऐसे अपमानजनक बयानों और टिप्पणियों के खिलाफ आवाज उठाना हमारी जिम्मेदारी है।

उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि हम समाज से अपील करते हैं कि वे इस आंदोलन का समर्थन करें और हमें हमारे शहीदों और वीर पूर्वजों के सम्मान की रक्षा करने का अवसर दें। यह हमारी एकता, हमारी संस्कृति, और हमारे गौरव की रक्षा का आंदोलन है।मौके पर अन्य वक्ताओं के साथ राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने रामजीलाल सुमन की बयान को अमर शहीद पूर्वजों की वीरता का अपमान बताते हुए कहा कि सपा देशद्रोहियों के साथ है। उन्होंने सुमन की बयान की निंदा की। तथा सुमन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि राणा सांगा महाराणा प्रताप के दादा थे, जिन्हें संग्राम सिंह के नाम से भी जाना जाता है। वे मेवाड़ के एक राजपूत शासक थे। राणा सांगा का त्याग और बलिदान राजपूत समाज हीं नहीं, बल्कि देश के लिए भी प्रेरणा है। देशभक्तों का अपमान हिंदुस्तान नहीं सहेगा? कहा कि राणा सांगा ने 100 लड़ाइयां लड़ी थी, जिसमें केवल एक बार हार का सामना करना पड़ा था। युद्ध में एक हाथ, एक पैर, एक आंख खोने और शरीर पर 80 घावों के बावजूद विदेशी आक्रमणकारियों के खिलाफ लड़ाई जारी रखी थी। उन्होंने 1509 से 1527 तक शासन किया और बाबर के अधीन मुगल साम्राज्य के विस्तार का बहादुरी से विरोध करने के लिए जान गए। यदि राणा सांगा जीवित होते तो भारत में मुगल साम्राज्य के विस्तार की दिशा बदल सकती थी, एवं उसे रोका भी जा सकता था, क्योंकि निरंतर प्रतिरोध से वे अन्य क्षेत्रीय शक्तियों को भी मुगलों का विरोध करने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से : रामेश्वर दयाल सिंह,शिवाजी सिंह परमार,संजय सिंह ,श्रीराम सिंह ,सुनील कुमार सिंह, धीरज सिंह उर्फ बिनु सिंह, प्रतुलनाथ सहदेव ,मनीष सिंह , रंजन कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह ,विनोद कुमार सिंह ,सूर्यकांत सिंह, जितेंद्र सिंह ,दिलीप सिंह ,शशि सिंह लव कुमार सिंह ,शिव चंद्र सिंह,रमाकांत सिंह ,वीरेंद्र सिंह ,धर्मेन्द्र सिंह,विजय सिंह ,प्रमोद सिंह ,श्याम किशोर सिंह ,डॉ अजय नाथ सहदेव ,कुंदन सिंह , सी एम सिंह, बलिंद्र सिंह,अवध बिहारी सिंह ,निशांत सिंह,विपिन सिंह , बीएन सिंह, मनीष सिंह ,यश सिंह परमार ,देवराज सिंह,नीतू सिंह ,गौतम सिंह ,जितेंद्र सिंह ,अंशुमान सिंह ,ब्रजभूषण सिंह ,राजकुमार सिंह ,नागेश्वर सिंह ,मनोज कुमार सिंह ,दिलीप कुमार सिंह ,विजय सिंह , मुदित राज ,गणेश चंद्र समल,रवि प्रताप सिंह,बलराम सिंह,रणधीर सिंह ,संजीव सिंह,पंकज सिंह,राणा प्रशांत सिंह,प्रभु नाथ सिंह,महावीर सिंह,राजकिशोर सिंह ,रविरंजन सिंह ,संजीत सिंह ,प्रभाकर सिंह,शैलेन्द्र सुमन ,धर्मेन्द्र सिंह सहित कई अन्य गणमान्य क्षत्रिय योद्धा शामिल थे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION, HAZARIBAG
e-Procurement Cell

e-Procurement Notice

Tender Reference No:-BCD/EE/HAZARIBAG/ 76 /2024-25 Date:- 27-03-2025

Sl. No	Name of Work	Estimated Cost	Earnest Money	B.O.Q Rate	Time of completion
1	Proposed Construction of 50 Bedded Hostel for Madarsa Jabra Al Jamaitul Hafizia at Block - Churchu, Vill- Indira, Hazaribagh, For The Year 2024-2025	29577600/-	592000/-	10000/-	9 Month
A.	Date of Publication of Tender on website	04-04-2025			
B.	Last date/Time for receipt of bids	16-04-2025 03.00 PM			
C.	Name & address of office Inviting tender	Office of the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division,Hazaribag			
D.	Contact no. of Procurement officer	9348952485			
E.	Helpline number of e-Procurement cell	06546-225723			

Further details and subsequent amendments can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Nodal Officer, e-Procurement Cell, Office of the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division, Hazaribag

PR 349523 Building(24-25).D

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शनिवार, 29 मार्च 2025

संवत 2081, चैत्र कृष्णपक्ष 15 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 203 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ अगले साल तक कैसे खत्म हो पाएगा लाल आतंक

जान से मारेन की धमकियों पर सलमान बोले- ◀◀ 6

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों का बड़ा ऑपरेशन

16 नक्सलियों का एनकाउंटर, दो जवान घायल

- ऑटोमैटिक वेपन बरामद, 10 किमी तक कंधे पर शव लादकर लौट रहे जवान
- गृह मंत्री शाह बोले- हथियार बदलाव नहीं ला सकते

सुकमा : जिले में शनिवार सुबह सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में अब तक 16 नक्सली मारे गए हैं। इंसास और एसएलआर समेत बड़ी मात्रा में हथियार बरामद हुए हैं। मरने वाले नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। एक साल के अंदर अब तक 410 नक्सली मारे जा चुके हैं।

हथियार बदलाव नहीं ला सकते: अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 16 नक्सलियों के मारे जाने के बाद कहा कि हथियार रखने वाले और हिंसा का सहारा लेने वाले बदलाव नहीं ला सकते, शांति और विकास ही ला सकते हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट लिख कहा कि नक्सलवाद पर एक और प्रहार! हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक अभियान में 16 नक्सलियों को मार गिराया और स्वचालित हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार 31 मार्च, 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। हथियार रखने वालों से मेरी अपील है कि हथियार और हिंसा बदलाव नहीं ला सकते, शांति और विकास ही ला सकते हैं।

बस्तर आईजी ने की 16 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि: बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने अपडेट देते हुए बताया कि 16 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। दो जवानों को मामूली चोटें आईं हैं। खबर है कि इस मुठभेड़ में डीवीसीएम जगदीश ढेर हो गया है।

वहीं सुकमा एसपी किरण गंगाराम चव्हाण ने बताया कि हमने अब तक 16 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। बड़ी संख्या में एके-47, एसएलआर, इंसास राइफल और अन्य हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं। दो जवानों को मामूली चोटें आई हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक, एक अधिकारी ने कहा कि मुठभेड़ केरलापाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक जंगल में हुई है। मुठभेड़ उस वक्त हुई जब सुरक्षाबलों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। आगे बताया कि केरलापाल क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर शुक्रवार रात को अभियान शुरू हुआ। अभियान में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान शामिल हैं।

दो जवान घायल, अस्पताल में हुए भर्ती: सुकमा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, जिला सुकमा के थाना केरलापाल क्षेत्र में माओवादियों के उपस्थिति की सूचना परब 28 मार्च को जिला सुकमा डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सल विरोधी सर्च अभियान में रवाना हुए हुई। अभियान के दौरान आज सुबह सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रूक-रूक कर मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ स्थल और आस-पास क्षेत्रों की सुरक्षाबलों द्वारा सघन सर्चिंग जारी है। जवानों ने नक्सलियों को चारों तरफ से घेर रखा है। मुठभेड़ में डीवीसीएम केडर के नक्सलिक जगदीश के भी मारे जाने की खबर है। हाल ही में 25 लाख का नक्सली सुधाकर भी मार गिराया गया था। मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए हैं, जिन्हें सुकुमा के स्थानीय अस्पताल में लाया गया है।

केरलापाल में ही पूर्व कलेक्टर को बनाया था बंधक: केरलापाल वही इलाका है। जहां नक्सलियों ने पूर्व कलेक्टर एलेक्स पाल मेनन को बंधक बनाया था। जिसे छुड़ाने के लिए नक्सलियों से बातचीत करनी पड़ी थी।

मौके से मिला हथियारों का जखीरा: मुठभेड़ स्थल से जवानों को मौके से 10 से ज्यादा एके-47, इंसास राइफल, एसएलआर जैसे ऑटोमेटिक हथियार मिले हैं। इससे स्पष्ट होता है कि वहां पर नक्सलियों के बड़े लीडर जमा हुए थे। ऐसे में अन्य बड़े नक्सलियों के भी मारे जाने की खबर है। वर्तमान समय पतझड़ का चल रहा है। ऐसे समय में नक्सल एरिया में सर्चिंग करना जवानों के लिए काफी परेशानी का काम होता है। क्योंकि पतझड़ होने से नक्सलियों को जवानों के आने की जानकारी मिल जाती है। पत्तों के ऊपर जवानों के चलने से आवाज होती है। जिससे नक्सलियों को भनक लग जाती है।

छत्तीसगढ़ में आईईडी विस्फोट से महिला घायल: बीजापुर जिले में शनिवार तड़के नक्सलियों के लगाए गए आईईडी में विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में एक महिला घायल हो गई है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विस्फोट सुबह करीब 6.30 बजे भैरमगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के बोडगा गांव के पास हुआ था। जब महिला महुआ फल इकट्ठा करने के लिए जंगल गई हुई थी।

जानकारी के लिए बता दें कि यह गांव राजधानी रायपुर से 400 किलोमीटर से अधिक दूर इंद्रावती नदी के दूसरी ओर है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महिला जंगल से लौट रही थी, तभी वह आईईडी के संपर्क में आ गई, जिससे विस्फोट हो गया।

इंडियन एक्सप्रेस पावर लिस्ट में 40वें नंबर पर मुख्यमंत्री हेमंत

पिछले साल 93वें स्थान पर थे

संवाददाता

रांची: इंडियन एक्सप्रेस पावर लिस्ट 2025 सामने आ चुकी है और इस लिस्ट में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 40 वें स्थान पर हैं।

बता दें कि इंडियन एक्सप्रेस के पावर लिस्ट में 100 सशक्त शख्सियत शामिल हैं। इसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 40 वें स्थान पर हैं। पिछले साल हेमंत सोरेन 93वें नंबर पर थे। हेमंत सोरेन के इस सूची में इस स्थान पर आने के पीछे का कारण है कि उन्होंने पिछले साल के आखिर में लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री का पदभार संभाल कर इतिहास रच दिया। कथित भूमि घोटाले में 5 महीने जेल में बिताने के बावजूद वे चौथी बार मुख्यमंत्री बने। हेमंत सोरेन की लोकप्रियता और उनकी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को मिले समर्थन ने उन्हें सत्ता में दूसरी बात बरकरार रखा।

वहीं, इस लिस्ट में सबसे पहले 2 नाम जो आगे आते हैं, उनमें अभिनेता से राजनेता बने हैं- आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जनसेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण और तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के संस्थापक अध्यक्ष थलपति विजय हैं। नंबर 1 पर पीएम नरेंद्र मोदी हैं। इसके अलावा बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान 97वें स्थान पर आए हैं। अमिताभ बच्चन पिछले साल की तरह 99वें स्थान पर रहें। वहीं इस लिस्ट में आलिया भट्ट 100 नंबर पर हैं।

14 अप्रैल को पूरे देश में सरकारी छुट्टी घोषित, औद्योगिक प्रतिष्ठान भी रहेंगे बंद

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर यानी 14 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट में सरकार के इस फैसले की जानकारी दी।

उन्होंने कहा संविधान निर्माता , समाज में समानता के नए युग की स्थापना करने वाले, हमारे पूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर अब सार्वजनिक अवकाश रहेगा। शेखावत ने कहा, यह निर्णय लेकर बाबा साहेब के समर्पित अनुयायी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र की भावनाओं का सम्मान किया है।

म्यांमार में भूकंप

10 हजार लोगों के मरने की आशंका भारत ने शुरू किया ऑपरेशन ब्रह्मा

म्यांमार की सैन्य सरकार के अनुसार मरने वालों का आंकड़ा एक हजार के पार, 2300 घायल

नई दिल्ली: म्यांमार में शुक्रवार को आए भूकंप में मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा हो सकता है। यह आशंका यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने जताई है। भूकंप के झटके थाईलैंड, बांग्लादेश, चीन और भारत तक महसूस किए गए। रॉयटर्स के मुताबिक म्यांमार की सैन्य सरकार ने कहा है कि मरने वालों का आंकड़ा एक हजार को पार कर गया है, जबकि 2300 से ज्यादा लोग घायल हैं। उधर, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक 30 मंजिला इमारत गिर गई है। इसमें 10 लोगों की मौत हुई है। म्यांमार में शुक्रवार सुबह 11:50 बजे 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। म्यांमार और थाईलैंड में यह 200 साल का सबसे बड़ा भूकंप है। भारी तबाही के चलते म्यांमार के 6 राज्यों और पूरे थाईलैंड में इमरजेंसी लगा दी गई है। भूकंप के बाद भारत ने म्यांमार को 15 टन राहत सामग्री की पहली खेप भेज दी है। इसे ऑपरेशन ब्रह्मा नाम दिया गया है।

मामा के घर जाने की बात कहकर निकली थी नाबालिग, नदी के किनारे मिला शव

दुमका: जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत असना गांव के समीप नदी किनारे एक नाबालिग का शव बरामद किया गया है। लड़की शुक्रवार दोपहर को अपने घर से मामा के घर जाने की बात कहकर निकली थी। उसके मामा का घर लगभग 5 किलोमीटर दूर है वो पैदल ही जा रही थी। शिकारीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर असना गांव के समीप नदी किनारे ग्रामीणों ने एक नाबालिग का शव देखा। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। घटना स्थल उनके मामा के घर से महज 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। शव देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि हत्यारे ने नाबालिग की एक आंख को फोड़ डाला है। शिकारीपाड़ा थाना की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया है और जांच में जुट गई है।

त्योहारों को लेकर अलर्ट मोड में रांची पुलिस , मॉक ड्रिल कर दिखाई ताकत

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में रामवनमी, सरहुल और ईद को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। शनिवार को रांची पुलिस लाइन उपद्रवी तत्वों से निपटने का मॉक ड्रिल कर रांची पुलिस ने यह जता दिया है कि वह शांतिपूर्ण तरीके से तीनों महत्वपूर्ण त्योहारों को संपन्न करवाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

शनिवार को रांची पुलिस लाइन में पुलिस ने एहतियातन हिंसा से निपटने के लिए एक बेहतरीन मॉक ड्रिल का आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में रांची पुलिस के जवानों ने भाग लिया। दरअसल, आने वाले 10 दिनों के भीतर तीन महत्वपूर्ण त्योहार, जिसमें सरहुल, ईद और रामनवमी शामिल है। ऐसे में पुलिस प्रशासन पूरी तरह से चौकस है।

डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि तीनों पर्व को देखते हुए जिले के सभी थाना एवं ओपी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में विशेष निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। शनिवार को एसएसपी के निर्देश पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में रांची पुलिस लाइन में पुलिस ने मॉक ड्रिल कर जनता को यह बताने का प्रयास किया कि पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और समाज को बांटने वाली ताकतों के अरमान को पूरा नहीं होने दिया जाएगा।

मॉक ड्रिल में पुलिस की तत्परता दिखी, यहां 'उपद्रवी' की भूमिका में भी पुलिस ही थी और उसपर कार्रवाई करनेवाले भी पुलिसकर्मी ही थे। उपद्रवियों की पत्थरबाजी से लेकर उनपर अश्रु गैस के गोले, हवाई फायरिंग, पानी की बौछार, लाठीचार्ज से लेकर गिरफ्तारी तक की कार्रवाई ने यह बता दिया कि पुलिस हर परिस्थिति से निपटने में सक्षम है।

मॉकड्रिल के दौरान जवानों को यह भी बताया गया कि अगर स्थिति बिगड़ती है और उसमें लोग घायल होते हैं तो उन्हें कैसे तुरंत अस्पताल भेजा जाए और एंबुलेंस को कैसे भीड़ से निकालकर अस्पताल भेजा जाए।

इस दौरान पुलिस के जवानों ने लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले छोड़ने, पानी की बौछार आदि को लेकर अभ्यास किया। काल्पनिक स्थिति पैदा कर उससे निपटने का भी अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान ऐसा लग रहा था कि मानो पूरा क्षेत्र हुड़दंगियों के कब्जे में है और पुलिस इससे निपटने की कोशिश कर रही है। पुलिस के जवानों ने प्रशिक्षण में दी गई जानकारी को आत्मसात करते हुए अपने अनुभव का प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में आम लोग भी मॉकड्रिल का हिस्सा बने हुए थे।

रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि रामनवमी, सरहुल और ईद को लेकर उनकी तैयारियां मुकम्मल है। सिटी एसपी के अनुसार मॉकड्रिल के जरिये पुलिस ने आसामाजिक तत्वों को यह बता दिया है कि अगर किसी ने भी माहौल बिगाड़ने की कोशिश की तो उनका क्या हाल किया जाएगा।

एक बार फिर सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के मंसूबों पर फेरा पानी

जंगल से 28 आईईडी किया बरामद

चाईबासा: पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित एक गांव के वन क्षेत्र से सुरक्षाबलों ने 28 आईईडी बरामद किए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को तलाशी अभियान के दौरान इलाके में नक्सलियों के एक ठिकाने से कुल 23 डेटोनेटर और अन्य विस्फोटक भी जब्त किए गए। अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने टोंटो थाना क्षेत्र के जिमकीकिर गांव में लगाए गए परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) का पता लगाया।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने मौके पर ही आईईडी को निष्क्रिय कर दिया। पुलिस ने बताया कि टीम ने नक्सलियों के ठिकाने से बारूद के साथ-साथ डेटोनेटर भी जब्त किया है।

नदी में मिला महिला का शव, हत्या की आशंका

चांडिल : सरायकेला-खरसावां जिले के ईचागढ़ थाना क्षेत्र के नारो से नदीसाई जाने वाली सड़क पर करकरी नदी के पुल के नीचे नदी से महिला का शव बरामद किया गया. महिला की उम्र 32 वर्ष के आसपास होगी। उसकी पहचान अब तक नहीं हो सकी है। ईचागढ़ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को अपने कब्जे में लेकर पहचान कराने में जुट गई है। महिला के हाथों में चूड़ी व शंखा है। थाना प्रभारी विक्रमादित्य पांडेय ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने लाश के पास से खून से सने कुछ पत्थर बरामद किए हैं। महिला के सिर पर चोट के गंभीर निशान भी हैं।

ईद पर दिल्ली और मुंबई में हो सकते हैं हिंदू-मुस्लिम दंगे, बम विस्फोट की भी चेतावनी, प्रशासन में मचा हड़कंप

नई दिल्ली: ईद के दौरान दिल्ली और मुंबई में बम विस्फोट व दंगों की चेतावनी मिली है। सोशल मीडिया में एक पोस्ट के माध्यम से पुलिस को चेतावनी दी गई है। मुंबई में पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पोस्ट में कहा गया है कि 31 मार्च और 1 अप्रैल को ईद के दौरान कुछ विशेष क्षेत्रों में हिंदू-मुस्लिम दंगे, आगजनी और बम विस्फोट हो सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक पोस्ट में नवी मुंबई पुलिस के हैंडल को टैग किया गया। इसमें चेतावनी डोंगरी जैसे इलाकों को लेकर जारी की गई। कहा गया कि यहां कुछ अवैध रोहिंग्या, बांग्लादेशी या पाकिस्तानी घुसपैठियां ऐसी हरकत को अंजाम दे सकते हैं। पोस्ट के बाद नवी मुंबई में पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है।

फ्री प्रेस जर्नल के मुताबिक साइबर सेल सोशल मीडिया पोस्ट करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने में लगा है। तकनीकी जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डोंगरी इलाके में पुलिस ने गश्त बढ़ा दी है। अभी तक कुछ भी संदिग्ध गतिविधि नहीं मिली है।

पुलिस ने कहा कि मुंबई पुलिस के जवानों के अलावा अपराध शाखा, आतंकवाद निरोधक दस्ता और विशेष शाखा की कड़ी निगरानी में हैं। मुंबई पुलिस ने लोगों को आश्वासन दिया है कि सख्त सुरक्षा उपाय अपनाए गए हैं। स्थिति पर बारीकी से नजर हैं और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

शख्स ने पोस्ट किया, मुंबई पुलिस सतर्क रहें! 31 मार्च-1 अप्रैल 2025 को ईद के दौरान कुछ अवैध रोहिंग्या/बांग्लादेशी/पाकिस्तानी घुसपैठिए, जो डोंगरी जैसे इलाकों में रहते हैं, हिंदू-मुस्लिम दंगे, आगजनी व बम धमाके कर सकते हैं। नवी मुंबई पुलिस ने पोस्ट का जवाब दिया और लिखा कि संपर्क करने के लिए धन्यवाद। कृपया अपने पोस्ट के संबंध में अधिक जानकारी के लिए अपना मोबाइल नंबर भेजें।

मुंबई पुलिस को चेतावनी जारी करने वाले व्यक्ति ने ही दिल्ली सरकार को भी अलर्ट किया है। उसने अपने एक्स पोस्ट में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, दिल्ली और यूपी पुलिस को टैग किया। शख्स ने लिखा कि दिल्ली सीएम, दिल्ली पुलिस और यूपी पुलिस कृपया सतर्क रहें! 31 मार्च-1 अप्रैल 2025 को ईद के दौरान कुछ अवैध रोहिंग्या/बांग्लादेशी/पाकिस्तान मुसलमान चांदनी चौक, जामा मस्जिद, जहांगीरपुरी में हिंदू-मुस्लिम दंगा या बम धमाके कर सकते हैं।

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता।

कहां गई संवेदनशीलता

यौन उत्पीड़न से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट को फिर से दखल देना पड़ा और इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगानी पड़ी। यह जितना राहत भरा है, उतना ही चिंताजनक भी। देश की शीर्ष अदालत का हाईकोर्ट के जज को नसीहत देना बताता है कि महिलाओं को लेकर समाज में जितनी संवेदनशीलता होनी चाहिए थी, उतनी है नहीं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले में फैसला सुनाते हुए कहा था कि नाबालिग के प्राइवेट पार्ट को छूना और सलवार का नाड़ा खींचना रेप की कोशिश नहीं है। यह टिप्पणी उन महिलाओं को हतोत्साहित करने और उनका मखौल उड़ाने जैसी थी, जो यौन उत्पीड़न जैसे अपराध की शिकार हैं और न्याय पाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उन्हें हिम्मत मिली होगी कि न्याय का पलड़ा उनके पक्ष में है। अदालती फैसले केवल कठघरे तक सीमित नहीं रहते। इनका असर व्यापक समाज पर पड़ता है। इससे भविष्य में अपराधियों को दंड और पीड़ित को न्याय दिलाने में मदद मिलती है। दुर्भाग्य से मौजूदा मामले की एक टिप्पणी अगर कायम रहती, तो आगे चलकर रेप से जुड़े मामलों में महिलाओं को इंसाफ दिलाना मुश्किल हो सकता था। हाईकोर्ट के फैसले में कहा गया था कि अपराध की तैयारी और उसके प्रयास में मुख्य अंतर केवल इरादे की मजबूती का होता है। गनीमत है कि सुप्रीम कोर्ट ने इसे भी गलत बताया। शीर्ष अदालत ने गलतियों को सुधारने की कोशिश की है, लेकिन सवाल है कि ऐसी नौबत आती ही क्यों है? यौन उत्पीड़न से जुड़े केस में तो खास संवेदनशीलता और पीड़िता पर पड़ने वाले भावनात्मक असर का ख्याल रखा जाना चाहिए। हर एक शब्द नाप-तौल कर इस्तेमाल होना चाहिए। लेकिन, ऐसा क्यों नहीं हो रहा? पिछले साल कलकत्ता हाईकोर्ट ने एक टिप्पणी में कहा था कि लड़कियों को अपनी यौन इच्छाओं पर काबू रखना चाहिए और तब भी सुप्रीम कोर्ट ने दखल देते हुए इसे आपत्तिजनक बताया था। फिर पिछले साल ही सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को याद दिलाया कि बलात्कार के आरोपी को पीड़िता या उसके माता-पिता या संरक्षक की बात सुने बिना जमानत नहीं दी जानी चाहिए। महिलाओं के लिए न्याय की लड़ाई अब भी बहुत कठिन है। उन्हें अत्याचार करने वाले का तो सामना करना ही पड़ता है, कई बार खुद के परिवार और समाज से भी भिड़ना पड़ता है। हर कदम पर उन्हें इज्जत की दुहाई मिलती है। यह सब झेलते हुए जब वह अदालत पहुंचती हैं, तो बार-बार बीती बातों को याद दिलाया जाता है। इस संघर्ष में उन्हें न्यायपालिका का साथ चाहिए, ऐसी टिप्पणियां और दकियानूसी नसीहतें नहीं, जो उनकी मुश्किलों को और बढ़ा दें।

अंदर से हो पहल

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से कथित तौर पर जले हुए नोटों की गड्डियां बरामद होने की खबरों के बाद जहां इस मामले की जांच शुरू हो गई है, वहीं इससे जुड़ी बहस का दायरा भी फैलता जा रहा है। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि अगर जजों की नियुक्ति से जुड़ा एनजेएसी एक्ट लागू होने दिया गया होता तो आज ऐसी स्थिति नहीं होती। जाहिर है, इस घटना ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और उसके उत्तरदायित्व से जुड़ी पुरानी बहसों को नया रूप दे दिया है। न्यायपालिका के वरिष्ठ सदस्यों के आचरण को लेकर विवाद पहले भी होते रहे हैं। लेकिन आर्थिक भ्रष्टाचार से जुड़े मामले अक्सर बड़ा मुद्दा बन जाते हैं। मिसाल के तौर पर, कलकत्ता हाईकोर्ट के सिटिंग जज अभिजीत गंगोपाध्याय का पद से इस्तीफा देकर बीजेपी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ना या इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव का एक खास समुदाय के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक बयान देना उतना बड़ा मुद्दा नहीं बना। किसी बार असोसिएशन ने उन मामलों में ऐसा मुखर विरोध नहीं किया जैसा जस्टिस वर्मा के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट बार असोसिएशन कर रहा है। जजों पर लगने वाले गंभीर आरोपों के संदर्भ में देखें तो अब तक के अनुभव से साफ हो गया है कि महाभियोग लाना व्यवहार में कोई कारगर विकल्प नहीं रह गया है। आरोप कितने भी गंभीर हों, इस प्रक्रिया का तार्किक परिणति तक पहुंचना काफी हद तक राजनीतिक दलों के रुख पर निर्भर करता है। मौजूदा विवाद ने न्यायपालिका के उत्तरदायित्व की जरूरत को रेखांकित किया है तो उसी अनुपात में उसकी स्वतंत्रता पर मंडराते खतरे को लेकर आगाह भी। ध्यान रखना जरूरी है कि इस विवाद से बने माहौल का कोई प्रतिकूल असर न्यायपालिका की स्वतंत्रता और जजों को हासिल संवैधानिक संरक्षण पर न पड़े। ऐसे में बीच की राह यही हो सकती है कि न्यायपालिका को उत्तरदायी बनाने के प्रयास न्यायपालिका के भीतर से ही किए जाएं। चाहे जजों की संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने की अनिवार्यता हो या हितों के टकराव के मामले समय रहते उजागर करना बाध्यकारी हो या जुडिशल ऑम्बड्समैन जैसे किसी पद का सृजन हो - ऐसे तमाम विकल्पों पर विचार करने की जरूरत है क्योंकि लोकतंत्र में स्वतंत्र, निष्पक्ष, विश्वसनीय और जिम्मेदार न्यायपालिका का कोई विकल्प नहीं होता।

अगले साल तक कैसे खत्म हो पाएगा लाल आतंक

'नक्सलवाद को लेकर कहा जाता रहा है कि जहां विकास नहीं पहुंचा, जहां शोषण की अर्थव्यवस्था रही, वहीं नक्सलवाद को पनपने का ज्यादा मौका मिला। शायद इसी वजह से नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास के पहिये को तेजी से दौड़ाने की तैयारी हुई। सड़कों और रेल लाइन की पहुंच नक्सल प्रभावित इलाकों में बढ़ाने की शुरूआत हुई।'

उमेश चतुर्वेदी

इसे संयोग कहें या कुछ और, बीते 21 मार्च को जब छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में सुरक्षा बलों के हाथों तीस नक्सली मारे गए, उसी वक्त केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह संसद में नक्सलवाद के सफाए का ऐलान कर रहे थे। अमित शाह का कहना था कि अगले 375 दिनों में नक्सलवाद का सफाया हो जाएगा। अगर तारीखों के हिसाब से कहें तो केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक कभी लाल आतंक के नाम से कुख्यात रहे नक्सलवाद के सफाए का लक्ष्य रखा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या सचमुच नक्सलवाद आखिरी सांसे ले रहा है और जल्द ही आतंक का पर्याय रही ये विचारधारा अतीत बन जाएगी।

साल 2025 के अभी तीन महीने ही गुजरे हैं, लेकिन इस बीच नक्सलवाद को लेकर जो आंकड़े सामने हैं, उनसे तो लगता यही है कि नक्सलवाद अब गिने-चुने दिनों की ही बात है। केंद्रीय गृहमंत्रालय के आंकड़ों पर भरोसा करें तो बीते तीन महीनों में ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 119 नक्सली मारे जा चुके हैं। नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों को यह कामयाबी सिर्फ 10 मुठभेड़ों में ही मिली हैं। बीते साल यानी 2024 में मुठभेड़ों में 239 नक्सली मारे गए थे। यानी सिर्फ सवा साल की अवधि में ही 358 नक्सली मारे जा चुके हैं। इतने नक्सलियों का मारे जाने और भारी संख्या में नक्सलियों के आत्म समर्पण करने का संकेत साफ है कि अब नक्सलियों की कमर टूटती जा रही है। शायद यही वजह है कि अमित शाह संसद में पूरे आत्मविश्वास के साथ ऐलान कर रहे हैं कि नक्सलवाद देश में आखिरी सांसे गिन रहा है।

साल 2010 के आंकड़ों के हिसाब से देश के तकरीबन छठवें हिस्से में नक्सलवाद का प्रभाव था। झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश तक नक्सलवाद फैला हुआ था। गृहमंत्रालय के आंकड़ों के हिसाब से तब देश के 96 जिलों में आतंकवाद का खूनी पंजा फैला हुआ था। यूं तो हर सरकार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाती रही है, लेकिन इसमें तेजी केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद आई। नक्सलवाद को ज्यादातर सरकारें कानून और व्यवस्था का मामला मानती रहीं, उसके जिम्मेदार सामाजिक कार्यों को किनारे रखा जाता रहा। मोदी सरकार ने इसे कानून और व्यवस्था का मामला तो माना, लेकिन उसके साथ ही इसे सामाजिक नजरिए से भी देखना शुरू किया।

नक्सलवाद को लेकर कहा जाता रहा है कि जहां विकास नहीं पहुंचा, जहां शोषण की अर्थव्यवस्था रही, वहीं नक्सलवाद को पनपने का ज्यादा मौका मिला। शायद इसी वजह से नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास के पहिये को तेजी से दौड़ाने की तैयारी हुई। सड़कों और रेल लाइन की पहुंच नक्सल प्रभावित इलाकों में बढ़ाने की शुरूआत हुई। बीते आठ वर्षों में 10718 करोड़ की लागत से नक्सल प्रभावित इलाकों में करीब 9356 किमी सड़कों का निर्माण किया गया। इन इलाकों में तैनात केंद्रीय बलों तैनात केंद्रीय बलों द्वारा स्थानीय आबादी के लिए जहां स्वास्थ्य शिविर लगाए जाने शुरू हुए, वहीं उन्हें मुफ्त में जरूरी दवाएं दी जाने लगीं। इसी तरह उन इलाकों में पेयजल सुविधा बढ़ाने, सोलर लाइट की सुविधा देने के साथ ही खेती के उपकरण और बेहतर बीच आदि देने की कोशिश तेज हुई। गृहमंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2014 से अब तक इन मदों में नक्सल प्रभावित इलाकों में करीब 140 करोड़ रुपये के काम किए जा चुके हैं। डाक विभाग ने 90 नक्सलप्रभावत प्रभावित जिलों में, तकरीबन हर तीन किलोमीटर पर सिर्फ आठ वर्षों में ही 4903 नए डाकघर खोले हैं। इसी तरह अप्रैल-2015 से लेकर अब तक 30 सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिलों में 1258 नई बैंक शाखाएं और 1348 एटीएम लगाए गए हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों में संचार की सुविधा बढ़ाने के लिए पहले चरण में 4080 करोड़ रुपए की लागत से 2343 मोबाइल टावर लगाए गए तो दूसरे चरण में 2210 करोड़ से 2542 मोबाइल टावर लगाए जा रहे हैं। इन इलाकों में 245 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बनाने की तैयारी है,जिनमें 121 काम शुरू कर चुके हैं।

इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि नक्सल उग्रवाद ऐसे क्षेत्रों में तेजी से पनपा, जहां गरीबी ने जड़ें जमा रखी थी। नक्सली विचार प्रभवित समूहों ने इन इलाकों के लोगों के असंतोष को खाद पानी के रूप में इस्तेमाल किया और इस तरह उग्रवाद को बढ़ावा मिला। इन समूहों को स्थानीय समर्थन मिलने के कारण सुरक्षा संस्थाओ को अपना काम करने में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था, परन्तु 2014 के बाद हालात बदले।

दूसरी तरफ उग्रवादी समूहों को हो रही फंडिंग पर रोक लगाने के लिए चौकसी बढ़ाई गई। इसके तहत नक्सल प्रभावित राज्यों ने जहां 22 करोड़ की संपत्ति जब्त की,वहीं प्रवर्तन निदेशालय ने तीन और एनआईए ने पांच करोड़ की संपत्ति जब्त की। नक्सली हिंसा की जांच के लिए एनआईए में अलग से एक सेक्शन बनाया गया। जिसे अब तक 55 मामलों की जांच सौंपी जा चुकी है। इसी तरह विशेष कार्रवाई के लिए विशेषज्ञ सुरक्षा बलों पर जोर दिया गया और सूचनाओं को साझा करने का नेटवर्क विकसित किया गया। नक्सलरोधी ऑपरेशन के लिए केंद्रीय और राज्यों विशेष ऑपरेशन टीमें बनाई गईं। सुरक्षा बलों और नक्सलियों पर निगाह के लिए तकनीक को बढ़ावा भी दिया गया। इसके तहत लोकेशन मोबाइल फोन और दूसरी तकनीक सुरक्षा बलों को मुहैया कराई गईं। द्रोण कैमरों से नक्सलियों पर निगाहबानी शुरू हुई और कैजुअल्टी या विशेष ऑपरेशन के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की गई।

शायद यही वजह रही कि संसद में नक्सल ऑपरेशन को लेकर गृहमंत्री अमित शाह बेहद आत्मविश्वास में नजर आ रहे थे। उन्होंने कहा, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रमुख जगहों पर सीआरपीएफ और इसकी विशेष इकाई 'कोबरा' ही माओवादियों से लोहा ले रही है। इन बलों ने ऐसी रणनीति बनाई है, जिसमें नक्सलियों के पास दो ही विकल्प, 'सरेंडर' करो या 'गोली' खाओ, बचे हैं। अब ऐसा कोई इलाका नहीं बचा है, जहां सुरक्षा बलों की पहुंच न हो। वे महज 48 घंटे में 'फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस' स्थापित कर आगे बढ़ रहे हैं। अब नक्सलियों के लिए जंगलों में अधिक दूरी तक पीछे भागना भी संभव नहीं हो रहा। उनकी सप्लाई चेन कट चुकी है। नक्सलियों की नई भर्ती तो पूरी तरह बंद हो चुकी है। इतना ही नहीं, घने जंगलों में स्थित नक्सलियों के ट्रेनिंग सेंटर भी तबाह किए जा रहे हैं।

नक्सल प्रभावित इलाकों में अमन-चैन हो और बिना खून बहाए ही लोग अपनी शिकायत लोकतांत्रिक ढंग से रख सकें। इसका विरोध शायद ही कोई करेगा। नक्सलवाद का आतंक खत्म हो, इसका स्वागत ही होना चाहिए। लेकिन व्यवस्था को यह भी देखना होगा कि भविष्य में ऐसे हालात फिर ना बनें, जिससे फिर से नक्सलवाद को बढ़ने को मौका मिले। क्योंकि विचार केंद्रित एक्शन भले ही रूक जाए, विचार कभी नहीं मरते।

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक

विकास के बजाए विवादित मुद्दे बन गए हैं सत्ता का आसान रास्ता

'बॉलीवुड के निमार्ता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, जिसमें राजपूत समुदाय ने फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया था। इस विवाद का परिणाम यह निकला कि चित्तौडगढ़ के किले में स्थित 'पद्मावती' महल में अराजक तत्वों ने उन शीशों को तोड़ दिया, जिनके बारे में कहा जाता है कि दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने इन्हीं आईनों के जरिए राजपूत रानी पद्मावती को देखा था।'

योगेन्द्र योगी

बेरोजगारी, गरीबी, अपराध, लिंगभेद, चिकित्सा और आधारभूत जैसी सुविधाओं के समाधान के बजाए देश के नेता इतिहास के गढ़े मुर्दे उखाड़ कर वोट पाने का आसान रास्ता चुन रहे हैं। इसी क्रम में नया विवाद महाराणा सांगा पर दिए गए बयान पर पैदा हुआ है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में कहा कि बीजेपी के लोगों का ये तकियाकलाम बन गया है कि इनमें बाबर का डीएनए है। सपा सांसद रामजी लाल ने कहा कि मैं जानना चाहूंगा कि बाबर को आखिर लाया कौन? इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को राणा सांगा लाया था। उन्होंने कहा कि मुसलमान अगर बाबर की औलाद हैं तो तुम लोग उस गद्दार राणा सांगा की औलाद हो, ये हिन्दुस्तान में तय हो जाना चाहिए कि बाबर की आलोचना करते हो, लेकिन राणा सांगा की आलोचना नहीं करते?

सांसद सुमन की राज्यसभा में की गई टिप्पणी पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो लोग आज नहीं बल्कि 1000 वर्षों के भारत के इतिहास की समीक्षा करते हैं, वे बाबर और राणा सांगा की तुलना कभी नहीं कर सकते और उन्हें एक ही तराजू पर नहीं रख सकते। महाराणा सांगा ने आजादी की अलख जगाई थी। उन्होंने भारत को गुलामी से बचाया और साथ ही भारत की संस्कृति को सनातनी बनाए रखने में भी अहम योगदान दिया। कुछ क्षुद्र और छोटे दिल वाले लोग ऐसी बातें करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी चचाओं की कोई गुंजाइश नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब नेताओं ने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए इस तरह के विवादों को हवा दी है। इससे पहले भी ऐतिहासिक मुद्दों पर देश में दरार डालने के प्रयास होते रहे हैं।

बॉलीवुड के निमार्ता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, जिसमें राजपूत समुदाय ने फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया था। इस विवाद का परिणाम यह निकला कि चित्तौडगढ़ के किले में स्थित 'पद्मावती' महल में अराजक तत्वों ने उन शीशों को तोड़ दिया, जिनके बारे में कहा जाता है कि दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने इन्हीं आईनों के जरिए राजपूत रानी पद्मावती को देखा था। इसी तरह तीन साल पहले बॉलीवुड फिल्म पानीपत से शुरू हुआ विवाद एक टीवी धारावाहिक तक आ पहुंचा। धारावाहिक में खांडेराव होल्कर से पूर्व महाराजा सूरजमल को युद्ध में हारना दिखाया गया। वहीं, इतिहासकारों का दावा है कि पूर्व महाराजा सूरजमल कभी युद्ध नहीं हारे। बल्कि खांडेराव होल्कर की मौत उनके साथ युद्ध में हुई थी। इसको लेकर रूपवास व कुम्हेर थाने में दो अलग-अलग एफआइआर दर्ज कराई गई। मैसूर के राजा रहे टीपू सुल्तान की 10 नवंबर को मनाई जाने वाली जयंती को लेकर भी खूब कलह हुआ है। मैसूर का शेर कहलाने वाले टीपू की जयंती की शुरूआत कांग्रेस के शासन में हुई लेकिन बीजेपी इसका विरोध करती रही।

कर्नाटक में टीपू सुल्तान की जयंती मनाने को लेकर नौबत यहां तक आ गई कि कई शहरों में सुरक्षा को देखते हुए धारा 144 लगाई गई और विरोध प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया। भारतीय जनता पार्टी और कुछ हिन्दू संगठनों ने सरकार से मांग की थी कि वह टीपू सुल्तान की जयंती मनाने का कार्यक्रम और उन्हें महिमामंडित करने की योजना रोक दें। बीजेपी की निगाह में टीपू सुल्तान धार्मिक रूप से कट्टर और हिन्दू विरोधी शासक था। भाजपा नेता मीनाक्षी लेखी ने उत्तर भारत के 9वीं सदी के राजपूत शासक सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का अनावरण किया और उन्हें एक गुज्जर बताया। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) ने जौनपुर गांव में सम्राट मिहिर भोज की एक प्रतिमा भी समर्पित की, जिसमें उन्हें गुज्जर बताया गया। इसका राजपूत समुदाय ने कड़ा विरोध किया। बिहार में गठबंधन से पहले भाजपा ने नीतीश सरकार पर इतिहास के छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। भाजपा ने यहां तक कहा था कि सरकार ने प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह का अपमान किया है। बिहार के पूर्व मंत्री भीम सिंह ने बिहार सरकार खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मोहम्मद युनूस को बिहार के प्रथम प्रधानमंत्री बताते हुए उनके जन्म दिवस पर राजकीय जयंती समरोह मनाए जाने को बिहार केसरी श्रीकृष्ण सिंह का अपमान बताया था। उन्होंने कहा था कि मुस्लिम तुष्टिकरण के तहत इतिहास के साथ छेडछाड की जा रही है। गौरतलब है कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मंदिर-मस्जिद विवाद पर नेताओं ने जम कर रोटियां सेकी। इस संवेदनशील मुद्दे को लेकर हिंसा में पांच लोग मारे गए। इसके बाद देश के दूसरे हिस्सों में इसी तरह के विवाद पैदा हो गए। अजमेर में दरगाह में हिंदू मंदिर का दावा करते स्थानीय अदालत में मामला दायर किया गया। इसी तरह देश के दूसरे हिस्सों में भी मस्जिदों में मंदिर होने को लेकर अदालतों में मामले दायर किए गए। नेताओं ने तभी पैर पीछे खींचे जब सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे विवादों पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जब तक पूजा स्थल अधिनियम की वैधता पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक देश में मंदिर-मस्जिद विवादों से जुड़े नए मुकदमे दर्ज नहीं किए जा सकते, और न ही कोई चल रहा मामला सर्वेक्षण या अंतिम आदेश के साथ आगे बढ़ सकता है।

यह विवाद पूरी तरह थमा भी नहीं कि महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद पैदा हो गया। इस पर भाजपा और विपक्षी दलों ने आरोप-प्रत्यारोप लगा कर देश का माहौल गमार्ने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ी। इसका परिणाम यह हुआ कि नागपुर में हिंसा भड़क उठी। इसमें कई लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा। आम लोगों को कर्फ्यू के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ऐसे विवादों की चपेट में अक्सर देश का मजदूर, गरीब और कामकाजी वर्ग आता है। इन विवादों की जड़ में आसान सत्ता की राजनीति की चाहत है। दरअसल नेताओं को पता है कि देश की बुनियादी समस्याओं का समाधान आसान नहीं है, जबकि ऐसे विवादों के जरिए लोगों को बरगला लाकर सत्ता आसानी से प्राप्त की जा सकती है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कल से हो रही चैत्र नवरात्रि की शुरूआत

सनातन धर्म में नवरात्रि का पर्व बहुत ही विशेष माना जाता है। नवरात्रि के 9 दिनों में मां दुर्गा के 9 अलग-अलग स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। नवरात्रि के हर एक दिन का अपना एक अलग महत्व होता है। साल में 4 बार नवरात्रि आती है। जिसमें शारदीय नवरात्रि, चैत्र नवरात्रि और दो गुप्त नवरात्रि होती हैं। इनमें से सबसे अधिक महत्व शारदीय और चैत्र नवरात्रि का होता है। तो वहीं गुप्त नवरात्रि तंत्र-मंत्र और साधक के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। होली के बाद चैत्र नवरात्रि आती है। इस बार 30 मार्च 2025 से चैत्र नवरात्रि के महापर्व की शुरूआत हो रही है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि चैत्र नवरात्रि की शुरूआत कब से हो रही है और किस दिन मां दुर्गा के किस स्वरूप की पूजा की जाएगी।

चैत्र नवरात्रि 2025 : बता दें कि इस बार 30 मार्च 2025 से चैत्र नवरात्रि की शुरूआत हो रही है। वहीं 30 मार्च को प्रतिपदा तिथि दोपहर 12:49 मिनट तक रहेगी। इस बार नवरात्रि 30 मार्च से शुरू होकर 06 अप्रैल तक चलेंगे। 06 अप्रैल यानी की नवमी तिथि को भगवान श्री राम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

घटस्थापना या कलश स्थापना मुहूर्त : चैत्र नवरात्रि के पहले दिन घटस्थापना की जाती है। वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरूआत 29 मार्च की शाम 04:27 मिनट पर होगी। वहीं अगले दिन यानी की 30 मार्च की दोपहर 12:49 मिनट पर इस तिथि की समाप्ति होगी। ऐसे में नवरात्रि के पहले दिन घटस्थापना के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 06:34 मिनट से सुबह 07:23 मिनट तक रहेगा। घटस्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त शुभ माना जाता है। इसलिए इस दिन 12:18 मिनट पर अभिजीत मुहूर्त शुरू होगा और दोपहर 01:08 मिनट तक रहेगा।

चैत्र नवरात्रि 2025 कैलेंडर

- 30 मार्च- नवरात्रि का पहला दिन- शैलपुत्री माता
- 31 मार्च- नवरात्रि का दूसरा और तीसरा दिन- मां ब्रह्मचारिणी और देवी चंद्रघंटा,
- 01 अप्रैल- नवरात्रि का चौथा दिन- देवी कूष्मांडा
- 02 अप्रैल- नवरात्रि का पांचवां दिन- स्कंदमाता
- 03 अप्रैल- नवरात्रि का छठा दिन, षष्ठी पूजा- कात्यायनी माता
- 04 अप्रैल- नवरात्रि का सातवां दिन, सप्तमी पूजा- मां कालरात्रि
- 05 अप्रैल- नवरात्रि का आठवां दिन, दुर्गा अष्टमी- मां महागौरी
- 06 अप्रैल- नवरात्रि का नौवां दिन, दुर्गा नवमी- मां सिद्धिदात्री देवी

सेहत

हाई बीपी को कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अलसी व चिया सीड्स

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद के लिए समय निकाल पाना काफी मुश्किल हो गया है। ऐसे में लोगों को तरह-तरह की बीमारियां घेर लेती हैं। वहीं हाई ब्लड प्रेशर की समस्या आम हो चुकी है। हर दूसरा व्यक्ति हाइपरटेंशन से परेशान है। इसकी वजह से स्ट्रोक या हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में हाई बीपी की समस्या को कंट्रोल में रखने के लिए दवाओं के साथ-साथ सही खानपान की भी जरूरत होती है।

हालांकि कुछ खास बीजों को अपनी डाइट में शामिल करके आप नेचुरल तरीके से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को कंट्रोल किया जा सकता है। बता दें कि अगर आप अपनी डाइट में चिया और अलसी के बीजों को शामिल करते हैं, तो हाई बीपी को कंट्रोल कर सकते हैं।

अलसी के बीज : अलसी के बीजों में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो धमनियों को मजबूत बनाने में सहायता करता है। इसके सेवन से ब्लड फ्लो बेहतर होता है और फाइबर कोलेस्ट्रॉल को सुधारता है। वहीं इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट ब्लड प्रेशर को कम करता है। इसके साथ ही इसमें मौजूद मैग्नीशियम और पोटेशियम हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर करता है। अलसी के बीजों में पाया जाने वाला पोटेशियम रक्त वाहिकाओं को रिलैक्स करता है।

चिया सीड्स : चिया सीड्स में कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। इसमें मौजूद ओमेगा 3 फैटी एसिड ब्लड वेसल्स को रिलैक्स करता है। साथ ही यह ब्लड सकुर्लेशन को सुधारता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

थर्मल पावर प्लांट में सर्वश्रेष्ठ संचालन, रख रखाव तथा दक्षता संवर्धन अभ्यास पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : डीवीसी केटीपीएस ने 26 से 28 मार्च 2025 तक थर्मल पावर प्लांट में सर्वश्रेष्ठ संचालन एवं रख रखाव तथा दक्षता संवर्धन अभ्यास पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया है। सत्र का संचालन अतर सिंह, सलाहकार एवं परामर्शदाता, पावर एवं ऊर्जा गहन उद्योग द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन मानस कुमार मंडल, वरिष्ठ जीएम (विद्युत) द्वारा किया जाएगा तथा इसका समन्वय प्रियंका, वरिष्ठ प्रबंधक (संचालन एवं दक्षता) द्वारा किया जाएगा। प्रशिक्षण सत्र की मुख्य विशेषताएं कोयला हैंडलिंग प्लांट - ऊर्जा लेखा परीक्षा पद्धति कोयला मिलें - ऊर्जा लेखा परीक्षा के लिए प्रमुख उद्देश्य ऐश हैंडलिंग प्लांट -लेखा परीक्षा एवं पद्धति ऊर्जा संरक्षण संभावनाओं की पहचान प्रमुख प्रदर्शन पैरामीटर सहायक बिजली खपत को प्रभावित करने वाले कारक विशिष्ट ऊर्जा खपत की गणना, केटीपीएस के अधिकारियों को उनके ध्यान एवं भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया गया।

न्यूज IN ब्रीफ

प्रभारी वनपाल ने 15 पीस सखुवा बोटा किया जब्त

शिकारीपाड़ा : थाना क्षेत्र के बाबूपाड़ा जंगल से प्रभारी वनपाल तरुणी मंडल के नेतृत्व में अवैध रूप से रखा गया सखुआ लकड़ी का 12 बोटा जब्त किया। प्रभारी वनपाल ने बताया कि गुप्त सूचना पर शुक्रवार सुबह छापामारी की गयी। गाड़ी आने की आहट पाकर बाबूपाड़ा जंगल में अवैध रूप से काट कर रखे गये लकड़ियों को छोड़कर लकड़ी माफिया फरार हो गये। इससे पूर्व गुरुवार देर शाम को जबरदहा जंगल से सखुआ लकड़ी का तीन बोटा विभाग द्वारा जब्त किया गया था। प्रभारी वनपाल श्री मंडल ने बताया कि दोनों मामले में संलिप्त लकड़ी के अवैध कारोबारियों को चिह्नित किया जा रहा है। टीम में गजेंद्र मरांडी, बबलू टुडू व अन्य शामिल थे।

स्कॉर्पियो के धक्के से महिला घायल

बासुकीनाथ : जरमुंडी थानाक्षेत्र अंतर्गत बासुकिनाथ मंदिर संस्कार मंडप के पास बेलगुमा रोड में स्कॉर्पियो के धक्के से महिला घायल हो गयी। इसके बाद स्कॉर्पियो के चालक और श्रद्धालुओं द्वारा घायल महिला को सीएचसी जरमुंडी में भर्ती कराया। चिकित्सकों द्वारा चिकित्सा की गयी। महिला अपना नाम नहीं बता पायी। बता दें कि बिहार से श्रद्धालुओं का जत्था बासुकिनाथ मंदिर पूजा करने पहुंचा था। वाहन पार्किंग कर ही पाते कि तभी महिला गाड़ी की चपेट में आ गयी।

31 मार्च तक ई-केवाईसी नहीं कराने वाले लाभुकों का राशनकार्ड से हटेगा नाम

रामगढ़। आपूर्ति विभाग की ओर से संचालित योजनाओं एवं ई-केवाईसी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शुक्रवार को डीडीसी रोबिन टोप्पो, अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजलि एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीता टोप्पो ने दो जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर जिला समाहरणालय परिसर से रवाना किया। उन्होंने बताया कि 31 मार्च तक ई-केवाईसी नहीं कराने वाले लाभुकों का राशनकार्ड से नाम हटा दिया जायेगा।

राशनकार्डधारी लाभुक अपने नजदीकी डीलर से ई-केवाईसी करा लें : खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग झारखंड सरकार की ओर से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित लाभुकों का शत प्रतिशत ई-केवाईसी आवश्यक है। ई-केवाईसी पूर्ण कराने की अंतिम तिथि 31 मार्च तक निर्धारित है। सभी गुलाबी एवं पीला राशनकार्डधारी लाभुक अपने नजदीकी डीलर से ई-केवाईसी करा लें। निर्धारित तिथि तक ई-केवाईसी पूर्ण नहीं कराने वाले लाभुकों का नाम राशनकार्ड से हटा दिया जाएगा।

पोस्टर-पंपलेट एवं माइकिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा : आपूर्ति विभाग रामगढ़ की ओर से दो जागरूकता वाहन का परिचालन किया जा रहा है। हरी झंडी दिखाये जाने के बाद से जागरूकता वाहन के माध्यम से खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखंड सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं अंतर्गत वितरित किए जा रहे खाद्यान्न, सामग्री की जानकारी दी जा रही है। जागरूकता वाहन जिले के विभिन्न गांवों में जाकर बैनर, पोस्टर-पंपलेट एवं माइकिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रहा है।

31 मार्च तक ई-केवाईसी करवाना जरूरी : जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीता टोप्पो ने बताया कि मुख्य रूप से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री नमक वितरण योजना, मुख्यमंत्री दाल वितरण योजना, सोना-सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना, चीनी वितरण योजना आदि के संबंध में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। ई-केवाईसी को लेकर उन्होंने बताया कि 31 मार्च तक ई-केवाईसी कराया जा रहा है। प्रवासी मजदूर, लाभुक वर्तमान में जहां हैं, वहीं पर अपने किसी भी नजदीकी जन वितरण प्रणाली दुकानदार से ई-केवाईसी पूर्ण करा सकते हैं। ई-केवाईसी से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी एवं शिकायत दर्ज कराने के लिए 1967/1800-212-5512 पर लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली से संपर्क कर सकते हैं।

विधायक के दावत-ए-इफ्तार में दिखे सामाजिक सौहार्द

शहर के इंडोर स्टेडियम में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने किया इफ्तारी पार्टी का आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : शहर के इंडोर स्टेडियम में झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से आयोजित इफ्तारी पार्टी का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इफ्तार पार्टी में दुमका के विधायक बसंत सोरेन, शिकारीपाड़ा विधायक आलोक सोरेन मुख्य रूप से उपस्थित थे। इफ्तारी पार्टी के दौरान विधायक कहा कि रमजान में हमें एकता, सद्भावना और आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करना चाहिए। अवसर पर विधायक ने सभी राज्यवासियों को रमजान के महीने की शुभकामनाएं दी। सुखी व समृद्ध जीवन की कामना की। मौके पर दुमका के उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे, दुमका एसपी पीतांबर सिंह खरवार, दुमका एसडीओ कौशल कुमार, डॉ तुषार ज्योति, झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष शिवा बास्की, झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला के प्रवक्ता अब्दुलसलाम सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

चैत्र नवरात्र को लेकर 501 कुंवारी कन्याएं कलश यात्रा में हुईं शामिल

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : चैत्र नवरात्र के पावन अवसर से पूर्व शहर के भारतीय कला मंदिर सकरूगढ़ चैती दुर्गा पूजा समिति की ओर से कल 29 मार्च को चैती दुर्गा मंदिर परिसर से भव्य कलश शोभा यात्रा सुबह 8 बजे ढोल नगाड़ा गाजे बाजे के साथ मां दुर्गा, प्रभु श्री राम महादेव का जयकारा लगाते हुए 501 कन्या कुमारी के द्वारा निकाली गई।वही पूजा समिति के अध्यक्ष सुनील झा ने बताया कि कलश शोभा यात्रा शहर का भ्रमण करके स्थानीय गंगा तट पहुंचकर कलश में जल भरकर,पुनः शहर का भ्रमण करते हुए चैती दुर्गा मंदिर परिसर पहुंचकर समाप्त होगा।वही 30 मार्च को कलश स्थापना के साथ प्रथम शैलपुत्री माता की पूजा अर्चना के साथ चैती नवरात्री शुरू होगी।हालांकि समिति की ओर से सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। चैती दुर्गा पूजा व मेला की तैयारी में भी समिति जुटी हुई है। इस शोभा यात्रा में सभी श्रद्धालुओं को सादर आमंत्रित किया है।इस अवसर पर पूजा समिति के अध्यक्ष सुनील झा,सचिव विजय सिंह उपसचिव चिंटू सिंह,उपाध्यक्ष गोपाल यादव, संरक्षक हेमंत ताती,कोषाध्यक्ष कुणाल चौधरी सहित शहर के गणमान्य लोग के अलावे पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से काला बिल्ला लगाकर विरोध दर्ज कराया

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आह्वान पर वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ देश भर में शांतिपूर्ण तरीके से काला बिल्ला लगाकर विरोध दर्ज कराया गया है। इस संशोधन बिल को लेकर सरकार देश में शंका पैदा करने की कोशिश कर रही है जबकी वक्फ की जयदाद में सिर्फ मुसलमान की ही नहीं बल्कि हिंदू ईसाई सिख पारसी एवम जैन सभी धर्मों के धार्मिक सम्पत्ति आती है। जिसका संरक्षण हेतु संविधान ने हमें अधिकार दिया है।कि संपत्ति का कोई भी मालिक नहीं बन सकता है।न ही कोई संस्था,न ही कोई व्यक्ति विशेष और न ही सरकार इसकी मालिकाना हक जता सकता है। यह वक्फ की संपत्ति पुरे समाज के हित और दबे कुचले सबको उठाने में आगे बढ़ने के लिए दान में दिया जाता है।और ऐसी संपत्ति से देश बहुत लाभान्वित हुआ है और इसका फायदा सभी समाज और संप्रदाय में देखने को मिल रहा है। और इस बिल के जरीये से इस संपति को सरकार अपने तरीके से इस्तमाल करना चाह रही है जो जो बर्दाश्त के लायक नहीं है और हम सभी इस बिल का पुरजोर विरोध करते हैं सड़क से सदन तक इस बिल का मुखालफत विरोध देश में होगा।

वही साहेबगंज जिला मुख्यालय में झारखण्ड युवा संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मो0 शाह कमर मुर्शाद के नेतृत्व मे साहेबगंज शहर के हबीबपुर में काला बिल्ला लगा कर शांति विरोध दर्ज कराया गया। मौके पर रशीद,इमाम,अदनान जमा, मानो, लुल्लुल, सोनू, साहेबा, दानिश, अख्तर, समीर एवम साहेबगंज शहरवासी शामिल हुए।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में आचार्य कार्यशाला का आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : विद्या भारती विद्यालय जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबगंज के प्रांगण में त्रिदिवसीय आचार्य कार्यशाला का शुभारंभ प्रभारी प्रधानाचार्य किरण कुमारी गुप्ता द्वारा सरस्वती माता ओंकार एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन पुष्प अर्पित कर दिया गया।

सर्वप्रथम विद्यालय का सभी आचार्य बंधु भगिनी द्वारा प्रातः स्मरण एवं योग का अभ्यास किया गया तत्पश्चात सभी ने सरस्वती वंदना,ओंकार का पाठ,भारत माता की स्तुति,गायत्री मंत्र का पाठ एवं शांति मंत्र के पाठ का गायन किया।कार्यशाला के प्रथम सत्र में सभीपंजियों,संचिकाओं एवं अभिलेखों को व्यवस्थित किया गया। द्वितीय सत्र में सभी अभिलेखों को व्यवस्थित एवं अद्यतन किया गया। सभी स्थाई भौतिक सामग्रियों का सत्यापन कर स्थाई वस्तु पंजी को अद्यतन किया गया। विभाग प्रमुखों ने अपने-अपने विभाग के सामग्रियों की सूची बनाई एवं विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। परिणाम बैठक पंजी में अंकित किया गया।तृतीय सत्र में विस्तृत समीक्षा कर अपने सबल और निर्बल पक्षों पर विचार किया गया।प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा, अरुण,उदय,प्रभात पर चर्चा की गई। चतुर्थ सत्र में आचार्य भारती का गठन एवं सभी के दायित्व पर चर्चा की गई। शून्य कालांश में प्रतिदिन के लिए निर्धारित विषयों पर चर्चा एवं सभी का अभ्यास कराया गया। एकात्मता-स्तोत्र में वर्णित महापुरुषों, देवियों पर चर्चा की गई। पंचम सत्र में प्रांतीय कार्य योजना एवं शैक्षिक पंचांग सत्र 2025-26 के विषयों की चर्चा की गई एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया। अभिभावक गोष्ठी, अभिभावक संपर्क योजना बनाई गई,मातृ सम्मेलन दादा-दादी नाना-नानी सम्मेलन,पूर्व अभिभावकों का सम्मेलन आदि आयोजित करने हेतु तिथि,मास निर्धारित किया गया।स्त्री दिवसीय आचार्य कार्यशाला के अवसर पर विद्यालय की सचिव डॉ मृदुला सिन्हा,आचार्य अमित कुमार,राघव वत्स,अजय कुमार साह,सुनील पंडित कल्याण भंडारी,श्यामा प्रसाद, अर्चना वर्मा, निर्मला कुमारी, लिपिका राज सिंह,स्नेहा भारद्वाज, सारिका कुमारी,क्रिस्टीना मुर्मू, टीनू पाण्डेय, दीपशिखा कुमारी ऐनी आशा मुर्मू एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे।

पत्थर बाजी में दो पुलिसकर्मी घायल प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज/तिनपहाड : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाबूपुर गांव में बीते दिन अड्डा बाजी कर रहे युवकों को रोकने पर वे लोग से भिड़ गए लोगों की ओर से पत्थर बाजी में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस मामले में तीनपहाड़ थाना में केस दर्ज कराया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार बीते रात करीब 1:00 बजे तीनपहाड़ थाना के ए एसआई नारद गहलोत पुलिस बल के साथ क्षेत्र में पेट्रोलिंग हेतु निकले थे। उसी क्रम में जब बाबूपुर पहुंचे तो गांव के चौक पर सड़क पर ही चार से पांच युवक मजमा लगाकर शराब पी रहे थे। जब पुलिस कर्मी उनको इतनी रात में खुलेआम सड़क पर शराब पीने से मना किया ।तो इस संदर्भ में युवक के द्वारा पुलिस को उपद्र भाषा बोलकर गली गलोज देना शुरू कर दिया। मामला को बिगाड़ने देखकर पुलिस पेट्रोलियम पार्टी के द्वारा इसकी सूचना तीनपहाड़ थाना प्रभारी गुलशन गौरव को दी सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अपने बल दल के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। जबकि इतना देरी में ही पेट्रोलिंग पार्टी पर पथराव शुरू हो गया। हालांकि पथराव होने से हवलदार सहित सिपाही घायल हो गई। पथराव के बाद तीनपहाड़ थाना प्रभारी के द्वारा 10 को नाम जद और एक दर्शन दर्जन से ज्यादा अज्ञात लोगों पर प्राथमिक दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दिया गया।

सेवानिवृत्त हुए जीएम सिविल पार्थो बनर्जी को दी गयी भव्य विदाई

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : जीएम सिविल, आईटीआई, डीवीसी डोमचांच कोडरमा पार्थो बनर्जी को उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर सम्मानित करने के लिए डीवीसी केटीपीएस परिसर में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। मनोज कुमार ठाकुर, सीजीएम और एचओपी, केटीपीएस, संजय कुमार सिन्हा, सीनियर जीएम, ओएंडएम, मानस कुमार मंडल, सीनियर जीएम, इलेक्ट्रिकल, रंजीत दास, जीएम, सीएंडआई, अमन ज्योति, जीएम, ईएमएंडपीसी, बॉयलर और कोल मिल्स, अजय कुमार, डीजीएम सिविल, सूरज पटनायक, सीनियर मैनेजर, इलेक्ट्रिकल, दिनेश, सीनियर मैनेजर मैकेनिकल, वरिष्ठ अधिकारी, अधिकारी भी उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

कहानियां परदे तक अपना रास्ता खुद बनाती हैं

मैं सिर्फ काम में यकीन रखती हूं: चित्रांगदा सिंह

जोधपुर में जन्मी और बरेली व मेरठ में पली-पढ़ीं चित्रांगदा सिंह को हिंदी सिनेमा से आंख-मिचौली खेलने की शुरू से आदत रही है। जब वह धमाकेदार काम करती हैं और लोग उन्हें तलाशते हैं, तो वह गायब हो जाती हैं। और, फिर एकाएक लौट आती हैं एक और धमाका करने। चित्रांगदा से एक खास मुलाकात।

➤ आपकी नई वेब सीरीज 'खाकीः द बंगाल चैप्टर' इन दिनों नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रही है, कैसा रहा बंगाल में शूटिंग करने का अनुभव?

पश्चिम बंगाल बहुत अद्भुत है। खासतौर से कोलकाता शहर। इस शहर से मेरी तमाम यादें पहले की भी जुड़ी हैं। दुर्भाग्य से इस बार वेब सीरीज 'खाकी-द बंगाल चैप्टर' में मेरे हिस्से की अधिकतर शूटिंग यहां मुंबई में ही अधिक हुई। हां, कुछ दिन के लिए गई थी मैं कोलकाता, इस सीरीज की शूटिंग करने।

➤ आपने कहा आपकी यादें कोलकाता से पहले की भी हैं, क्या हैं वे?

फिल्म 'बॉब बिस्वास' के लिए गई थी मैं वहां। और, अभिषेक बच्चन, फिल्म के हीरो, मेरे साथ थे ही। उनको कोलकाता तो ऐसे पता है जैसे वह वहीं बचपन से खेले-कूदे हैं। गली, गली वहां की पहचानते हैं। उन्होंने मुझे शानदार बंगाली खाना खिलाया। वहां के एक प्रसिद्ध मंदिर भी ले गए। कई बार तो लगता है कि वह बंगाली ही हैं। बहुत ही खूबसूरत शहर है कोलकाता।

➤ और, यहां मुंबई में आप ढूंढे से भी नहीं मिलतीं..

अरे नहीं, ऐसा नहीं है। अब तो मैं यहीं हूं काम भी कर रही हूं लगातार। बस मैं बहुत घूमती फिरती नहीं हूं। वह क्या कहते हैं, 'स्पॉट' नहीं की जाती हूं तो लोगों को लगता है कि मैं यहां नहीं हूं। मैं सिर्फ काम में यकीन रखती हूं। अभिनय से फुर्सत मिलती है तो लिखती हूं। कुछ नया रचने की कोशिश करती हूं।

➤ हां, 'सूरमा' भी तो लिखी थी आपने, इसकी सी[ल की खूब चर्चा थी, उसका क्या हुआ?

'सूरमा' की मेकिंग अपने आप में एक अलग कहानी है। इस फिल्म को बनने का श्रेय बहुत कुछ दिलजीत दोसांझ को जाता है जिन्होंने इस फिल्म के लिए हां की। फिल्म अपने समय की सबसे बड़ी कमबैक स्टोरी है। 'सूरमा' का डीएनए भी यही है। ऐसी ही कोई और कमबैक स्टोरी मिली तो 'सूरमा 2' भी बनेगी। कहानियां परदे तक अपना रास्ता खुद बनाती हैं।

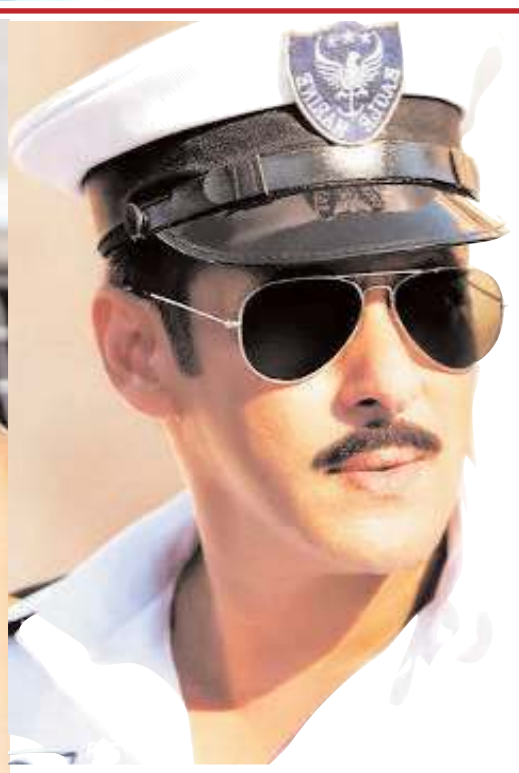

जान से मारने की धमकियों पर सलमान बोले-

'मैं किसी से नहीं डरता, सब ईश्वर पर छोड़ दिया है'

अभिनेता सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'सिकंदर' ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच मीडिया से बातचीत के दौरान अभिनेता ने भारी सुरक्षा के साथ घूमने-फिरने से होने वाली परेशानी पर प्रतिक्रिया दी। सलमान ने कहा कि वह धमकियों से नहीं डरते, क्योंकि उन्होंने सब कुछ ईश्वर पर छोड़ दिया है। सलमान खान जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के निशाने पर हैं, जो 1990 के दशक में सुपरस्टार के काले हिरण के शिकार का बदला लेना

चाहता है। सिकंदर की रिलीज से पहले सलमान खान ने मुंबई के बांद्रा इलाके में एक फाइव स्टार होटल में मीडिया से बात की और बताया कि भारी सुरक्षा के साथ बाहर आना- जाना परेशानियों का सबब बन जाता है। अभिनेता ने यह भी कहा कि वह धमकियों से नहीं डरते हैं और उन्होंने अपनी सुरक्षा की देखभाल भगवान पर छोड़ दी है। खान ने मीडिया से कहा, भगवान, अल्लाह सब बराबर हैं। जितनी उम्र लिखी है, उतनी लिखी है। इतने सारे लोगों के साथ घूमना एक समस्या बन जाती है। मैं किसी धमकी से नहीं डरता, सब ईश्वर पर छोड़ दिया है। हम साथ-साथ हैं की शूटिंग के दौरान काले हिरण शिकार मामले में संलिप्तता के लिए बिश्नोई ने सलमान को जान से मारने की धमकी दी थी।

सिकंदर की रिलीज से पहले रश्मिका का बयान

सलमान खान की एक्शन ड्रामा फिल्म सिकंदर 30 मार्च को रिलीज के लिए तैयार है। सिकंदर की रिलीज से पहले इसका प्रमोशन लगातार जारी है। इसी बीच रश्मिका ने फिल्म सिकंदर को लेकर एक ऐसी बात कही है, जिसे सुनकर फैंस के बीच खलबली मच गई है। सलमान खान और रश्मिका मंदाना पहली बार फिल्म सिकंदर में रोमांस करते नजर आएंगे। फिल्म में रोमांस के अलावा भरपूर एक्शन भी देखने को मिलेगा। सिकंदर की रिलीज से पहले कई लगातार फिल्म से जुड़ी कई जानकारियां सामने आ रही है, ताकि दर्शकों का उत्साह बना रहे। 123 डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक रश्मिका का कहना है कि वह यह देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं कि दर्शक सिकंदर में उनके अभिनय पर अपनी कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। रश्मिका ने आगे कहा, मैं पहले अपनी किसी भी फिल्म की रिलीज के लिए इतनी टेंशन में नहीं रही। यह सलमान खान की फिल्म है और ईद पर रिलीज होगी। मैं यह देखने के लिए बेहद एक्साइटेड हूं कि दर्शक इतनी बड़ी फिल्म में मुझे किस तरह से लेते हैं। सलमान खान और रश्मिका मंदाना के अलावा सिकंदर में काजल अग्रवाल, सत्यराज, शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन ए आर मुरुगदास ने किया है जबकि फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं।

ऐश्वर्या से ब्रेकअप के बाद

इस एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में लाए थे सलमान खान

साल 2005 में ऐश्वर्या और सलमान के साथ ब्रेकअप की खबरों के बाद सलमान खान एक एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में लाए थे। इस एक्ट्रेस को लोगों ने ऐश्वर्या का हमशक्ल बताया था। सलमान खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सिकंदर को लेकर चर्चा में हैं। उनकी ये फिल्म 30 मार्च को सिनेमाघरों में आने वाली है। सलमान कई लोगों के मसीहा कहे जाते हैं। कई एक्टर्स मानते हैं कि सलमान खान ने उनके करियर को बूस्ट किया है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कि सलमान खान किस अभिनेत्री को इंडस्ट्री में लाए थे जिसकी काफी चर्चा हुई थी।

ऐश्वर्या की तरह थीं एक्ट्रेस

सलमान खान की फिल्म लकी- नो टाइम फॉर लव साल 2005 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म कामयाब रही थी। इस फिल्म में सलमान ने अदाकारी की थी। उनके साथ इस फिल्म में स्नेहा उल्लाल ने भी अदाकारी की थी। स्नेहा उल्लाह को देखकर लोग हैरत में पड़ गए थे। लोगों ने कहा था कि ये तो ऐश्वर्या का हमशक्ल हैं।

ऐश्वर्या से सलमान का हुआ था ब्रेकअप

खबरों की मानें तो ये वही वक्त था जब सलमान खान का ऐश्वर्या राय के साथ ब्रेकअप हुआ था। इसी दौरान सलमान खान ऐश्वर्या का हमशक्ल ले आए थे। इसी दौरान ये फिल्म भी रिलीज हुई थी। ये मामला काफी सुर्खियों में रहा था।

इंड्स्ट्री से दूर हो गई स्नेहा

कहने को तो स्नेहा उल्लाल ऐश्वर्या राय जैसी ही थीं। लकी के बाद उनकी कई फिल्में भी रिलीज हुई थीं लेकिन स्नेहा उल्लाल वह नहीं कर पाई जो ऐश्वर्या राय ने कर दिया। इंडस्ट्री में उन्हें उतनी लोकप्रियता नहीं मिली जितनी ऐश्वर्या को मिली। इंडस्ट्री में जहां ऐश्वर्या अभी भी एक्टिव हैं, तो वहीं स्नेहा उल्लाल काफी पहले इंडस्ट्री से दूर हो गई। लकी के बाद स्नेहा आर्यन, बेजुबान इश्क और क्लिक में नजर आईं। इसके बाद वह फिल्मों से दूर हो गईं।

सावित्रीबाई फुले का किरदार पर्दे पर निभाना बड़ी जिम्मेदारी थी : पत्रलेखा

अभिनेत्री पत्रलेखा की अपकमिंग बायोपिक 'फुले' का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च हुआ। फिल्म में अभिनेत्री सावित्रीबाई फुले की भूमिका में हैं। अभिनेत्री ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की और बताया कि पर्दे पर सावित्रीबाई फुले का किरदार निभाना, उनके लिए एक बड़ी जिम्मेदारी थी और उनका यह सफर भावनाओं से भरा रहा। इसे एक परिवर्तनकारी और बेहद प्रेरणादायक अनुभव बताते हुए, पत्रलेखा ने कहा कि समाज सुधारक की भूमिका निभाना उनके लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी, उन्होंने उनके संघर्ष, ताकत और विरासत को पर्दे पर दिखाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया, जब मुझे इस भूमिका के लिए संपर्क किया गया, मेरे विचार स्पष्ट थे। जब मैंने पहली बार अनंत सर से बात की, तो उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट भेजी, जो काफी बड़ी थी। मुझे याद है कि मैंने उन्हें फोन करके कहा था, सर, यह स्क्रिप्ट बहुत बड़ी है। मेरे पास पढ़ने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन उन्होंने मुझे आश्वस्त करते हुए कहा कि यह सिर्फ पहला ड्राफ्ट है और वे इसे और बेहतर

बनाएंगे। डेढ़ साल बाद, मुझे अंतिम स्क्रिप्ट मिली और यह खूबसूरती से लिखी गई थी। मैं मना नहीं कर सकी। मुझे बस इतना पता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना है। पत्रलेखा ने सावित्रीबाई फुले के रूप में चुने जाने पर अपनी शुरुआती प्रतिक्रिया के बारे में भी बताया, उन्होंने स्वीकार किया कि वह इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उत्साहित और चिंतित दोनों थीं। अभिनेत्री ने बताया, ईमानदारी से कहूं तो मैं तुरंत ही इस किरदार की ओर आकर्षित हो गई। यह सिर्फ एक ऐतिहासिक शख्सियत का किरदार निभाने के बारे में नहीं था, यह साहस की कहानी के बारे में था। जब अनंत सर और मैंने पहली बार बात की, तो मैं ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्ति का किरदार निभाने को लेकर चिंतित थी, लेकिन उन्होंने मेरी मदद की। उन्होंने कहा, अपनी चिंताओं को छोड़ो और बस करो। उस आश्वासन ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। बेशक यह चुनौतीपूर्ण था, लेकिन एक बार जब मैं सेट पर गई, तो घबराहट गायब हो गई। फिल्म में सावित्रीबाई का किरदार निभाना उनके लिए कितना चुनौतीपूर्ण था, इस बारे में अभिनेत्री ने कहा, मैं पहले तो काफी चिंतित थी, लेकिन अनंत सर ने मेरी मदद की।

उन्होंने मुझे चीजों को समझने और अपना आत्मविश्वास पाने का मौका दिया। इस तरह के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक किरदार को निभाना कोई आसान काम नहीं है। टीम के सहयोग से मुझे किरदार में पूरी तरह से ढलने का आत्मविश्वास मिला। अनंत महादेवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ज्योतिराव फुले की भूमिका में प्रतीक गांधी हैं। यह महात्मा फुले की 197वीं जयंती के मौके पर 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मिस वर्ल्ड मानुषी को यूथ आइकॉन का खिताब मिला

मिस वर्ल्ड का ताज पहनने के बाद से ही मानुषी छिल्लर महज़ एक सुंदरता की मिसाल भर नहीं रहीं, बल्कि वे अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। एक ग्लोबल आइकन के रूप में, उन्होंने न केवल समाजसेवा में अपने जुनून को आगे बढ़ाया है, बल्कि लक्ज़री, फ़ैशन और ब्यूटी इंडस्ट्री में भी अपनी जगह बनाई है। इसके साथ ही, उन्होंने अभिनय और

उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) में भी अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में, मानुषी को एक प्रतिष्ठित समिट में यूथ आइकन के रूप में सम्मानित किया गया, जहाँ उनकी कड़ी मेहनत और सफलता की प्रेरणादायक यात्रा को सराहा गया। मानुषी को एक युवा पैनल में बात करने के लिए आमंत्रित किया गया, जहाँ उन्हें यूथ आइकॉन के सम्मान से सम्मानित किया गया। सफेद रंग के एलिगेंट थ्री-पीस ब्लेज़र में वह बेहद आत्मविश्वास से भरी नजर आईं और उन्होंने समिट के दौरान पूछे गए सभी सवालों के बेहतरीन जवाब दिए। मानुषी ने कई मौकों पर साबित किया है कि वह सिर्फ ब्यूटी क्वीन ही नहीं हैं, बल्कि एक बहुमुखी और बहु-प्रतिभाशाली व्यक्तित्व भी हैं.

द भूतनी में मोहब्बत के रूप में मौनी रॉय आपको नफ़रत और प्यार दोनों से कराएगी रुबरु

मौनी रॉय इस अप्रैल आपको डराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं! उनकी अगली बड़ी फिल्म द भूतनी 18 अप्रैल को रिलीज़ होगी, जो उनकी सबसे बहुप्रतीक्षित फ़िल्मों में से एक है। हॉरर-कॉमेडी में मौनी ने संजय दत्त, सनी सिंह, पलक तिवारी और आसिफ खान जैसे नामों सहित बहुत ही प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। इसके अलावा, यह फिल्म डिजिटल क्रिएटर बेयूनिक की बॉलीवुड में डेब्यू भी करेगी। फ़िल्म के निर्माताओं ने महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर फ़िल्म के टाइटल का अनावरण किया था, जिसके साथ एक छोटा सा टीज़र भी जारी किया गया था, जो काफी डरावनी थी ! और अब, निर्माताओं ने फ़िल्म से मौनी का लुक भी जारी कर दिया है। उनके पहले लुक के पोस्टर में वह हरे रंग की पोशाक में नज़र आ रही हैं, जिसमें और भी अधिक आकर्षक हरी आँखें हैं। उनके किरदार का नाम मोहब्बत है, लेकिन पोस्टर के साथ लिखा गया टैगलाइन–प्यार या प्रलय आपको सिहरन पैदा कर देगी। मौनी का लुक आपको उनकी खूबसूरती से मंत्रमुग्ध कर देगा, लेकिन साथ ही उनके किरदार से डर भी लगेगा। मौनी को फिल्म द भूतनी के लिए तब से ही काफी सराहना मिल रही है जब से फिल्म का पहला लुक जारी हुआ है।

आर्यना साबालेंका पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली। दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आर्यना साबालेंका ने गुरुवार को इटली की छठी वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी को 6–2, 6–2 से हराकर अपने पहले मियामी ओपन फाइनल में प्रवेश किया। साबालेंका ने मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी पहली सर्व पर 77 प्रतिशत अंक जीते, छह ऐस लगाए और अपने सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए। इसके साथ ही, उन्होंने पांच में से चार ब्रेक पॉइंट का फायदा उठाया और महज 71 मिनट में जीत दर्ज की। दक्षिण फ्लोरिडा में रहने वाली बेलारूसी शीर्ष वरीयता प्राप्त साबालेंका ने इस टूनार्मेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। वह मियामी में इंडियन वेल्स उपविजेता के रूप में पहुंची थीं। साबालेंका ने कहा, 'मैं आज के अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचकर काफी उत्साहित हूं।' पूरे मैच के दौरान साबालेंका कभी पिछड़ी नहीं और दोनों सेटों में सिर्फ एक बार स्कोर 1–1 से बराबर हुआ। उन्होंने आगे कहा, 'मैं कह सकती हूं कि यह इस सीजन के बेहतरीन मुकाबलों में से एक था। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं पूरी तरह से अपने खेल पर केंद्रित थी। ऐसा लग रहा था कि सबकुछ मेरे पक्ष में जा रहा है।' अब फाइनल में साबालेंका का सामना दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

सिरसा के कनिष्क चौहान का भारतीय अंडर-19 क्रिकेट कैंप में चयन

सिरसा। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बैनीवाल ने शुक्रवार को बताया कि सिरसा के खिलाड़ी कनिष्क चौहान का चयन भारतीय अंडर-19 क्रिकेट कैंप के लिए हुआ है। यह कैंप 1 अप्रैल से राजकोट में शुरू होगा। डॉ. बैनीवाल ने कहा कि बीसीसीआई द्वारा शीघ्र ही देश के पांच भागों में अंडर-19 आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा जिसमें सिरसा के इस होनहार ऑलराउंडर खिलाड़ी कनिष्क चौहान का चयन राजकोट में लगने वाले शिविर में हुआ है। कनिष्क चौहान आगामी 1 अप्रैल को इस कैंप को ज्वाइन करेगा। डॉ. बैनीवाल ने कहा कि साधारण किसान परिवार से आने वाले कनिष्क चौहान ने बगैर किसी सिफारिश के महज अपनी प्रतिभा के बल पर हरियाणा और देश का ध्यान खींचा है। उन्होंने आशा प्रकट की कि अपनी प्रतिभा के आधार पर कनिष्क चौहान निकट भविष्य में देश की अंडर-19 का हिस्सा होगा जो सिरसा के साथ-साथ समूचे हरियाणा के लिए गौरव का क्षण होगा। डॉ. वेद बैनीवाल कहते हैं कि कनिष्क चौहान से पूर्व देश के प्रथम पंक्ति के स्पिनर युजवेंद्र चहल भी हरियाणा का गौरव हैं जो उनके व हरियाणा के गुणी प्रशिक्षकों के हाथ से निकला है। डॉ. बैनीवाल के मुताबिक जिस गंभीरता से शिद्दत से कनिष्क चौहान क्रिकेट की ऊंचाईयों को छू रहे हैं, निश्चित ही वे नवीन खिलाडि ?ों के लिए आदर्श हैं। काबिलेजिक्र है कि कनिष्क चौहान इस समय सिरसा की अंडर-19 क्रिकेट टीम का कप्तान है और सिरसा की शाह सतनाम क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण ले रहा है।

एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए चेन्नई और मदुरै होंगे मेजबान शहर

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के चेन्नई और मदुरै आगामी एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के मेजबान शहर होंगे। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को उक्त घोषणा की। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा। इस दो सप्ताह तक चलने वाले हॉकी महोत्सव में पहली बार 24 टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। यह लगातार तीसरा अवसर होगा जब एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप भारत में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले, 2021 में यह टूनामेंट भुवनेश्वर, ओडिशा और 2016 में लखनऊ, उत्तर प्रदेश में आयोजित हुआ था, जहां भारत ने खिताबी जीत दर्ज की थी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने इस आयोजन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी

करना हॉकी इंडिया के लिए गर्व की बात है। मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री श्री एम.के. स्टालिन और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अभूतपूर्व समर्थन दिया है। इस बार 24 टीमें भाग लेंगी, इसलिए हमने टूर्नामेंट को दो शहरों- चेन्नई और मदुरै में आयोजित करने का निर्णय लिया है। चेन्नई ने 2023 में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की सफल मेजबानी की थी, जबकि मदुरै पहली बार इस स्तर के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। हमें खुशी है कि हम हॉकी को देश के विभिन्न हिस्सों में ले जा रहे हैं।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, हमारी महासंघ वैश्विक हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी में अग्रणी रहा है और एक बार फिर, हम एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप को शानदार सफलता दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। हमारा उद्देश्य भारत के अलग-अलग स्थानों पर हॉकी को बढ़ावा देना है। इसी सोच के तहत हमने चेन्नई और मदुरै को मेजबान शहरों के रूप में चुना है, जिसे तमिलनाडु सरकार और हमारे कोषाध्यक्ष श्री शेखर मनोहरन के नेतृत्व से संभव बनाया गया।'

हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष और हॉकी तमिलनाडु के अध्यक्ष शेखर मनोहरन ने तमिलनाडु में हॉकी के स्वर्णिम दिनों को वापस लाने की उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा, 'मैं तमिलनाडु के माननीय मुख्यमंत्री श्री एम.के. स्टालिन और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन का हॉकी के प्रति उनके जुनून और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता हूँ। हम तमिलनाडु में हॉकी के गौरवशाली दिनों को वापस लाना चाहते हैं। चेन्नई लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय हॉकी आयोजनों के लिए प्रमुख स्थल रहा है। हमें खुशी है कि हम वैश्विक हॉकी प्रशंसकों का स्वागत कर पाएंगे और उन्हें तमिलनाडु की बेहतरीन मेहमाननवाजी का अनुभव कराएंगे।'

हथियार-हिंसा से नहीं, शांति और विकास ही ला सकता है बदलाव : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों को मिली सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और नक्सलियों से हिंसा का रास्ता छोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि हथियार और हिंसा से बदलाव नहीं आ सकता, केवल शांति और विकास ही बदलाव ला सकता है।

गृहमंत्री शाह ने एक्स पोस्ट में कहा कि नक्सलवाद पर एक और प्रहार। हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक अभियान में 16 नक्सलियों को ढेर कर दिया है और स्वचालित हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए संकल्पित हैं। हथियार रखने वालों से मेरी अपील है कि हथियार और हिंसा से बदलाव नहीं आ सकता; केवल शांति और विकास ही बदलाव ला सकता है।

पाली में कोयला खदान पर वर्चस्व की लड़ाई में ट्रांसपोर्टर रोहित जायसवाल की हत्या

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य में कोरबा जिले के पाली थाना क्षेत्र में कोयला खदान पर वर्चस्व की लड़ाई में एक ट्रांसपोर्टर रोहित जायसवाल की हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव व्याप्त हो गया है, जिससे स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की देर रात को पाली के कोयला खदान पर दबदबे को लेकर दो गुटों के बीच विवाद चल रहा था, जो हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान हमलावरों ने ट्रांसपोर्टर रोहित जायसवाल पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल रोहित को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद पाली शहर में आक्रोश फैल गया है। मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस को पहले से इस विवाद की जानकारी थी, लेकिन समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई। रोहित के भाई ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की है। इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस ने चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात कर दिया है।

मध्य प्रदेश में गर्मी के बीच तेज हवाओं से बदला मौसम तापमान में गिरावट, 1 अप्रैल को बारिश का अलर्ट

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आ रही तेज हवाओं से प्रदेश के तापमान में गिरावट हुई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि शनिवार-रविवार अगले दो दिन भी तापमान में कुछ गिरावट हो सकती है। वहीं, गर्मी अप्रैल में एक बार फिर अपने तीखे तेवर दिखाएगी। हालांकि अप्रैल की शुरूआत हल्की बारिश के साथ हो सकती है। मौसम विभाग ने एक अप्रैल को भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम और जबलपुर संभाग के 13 जिलों में मौसम के बदलने का अनुमान जताया है।

मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से ऐसा हो सकता है। अभी अफगानिस्तान के ऊपर सिस्टम एक्टिव है, जो आगे बढ़ रहा है। पश्चिमी भारत में सिस्टम असर दिखा सकता है। हालांकि, इससे पहले प्रदेश में गर्मी का असर देखने को मिलेगा। शुक्रवार को भोपाल में तीखी धूप खिली रही। वहीं, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर समेत अन्य शहरों में भी ऐसा मौसम रहा, लेकिन तापमान में गिरावट देखने को मिली। आज शनिवार को दिन-रात के तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट हो सकती है। 30 मार्च को भी तापमान में गिरावट रहेगी। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर में तापमान 38 डिग्री के आसपास रह सकता है। शुक्रवार को दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिली। भोपाल में 3.8 डिग्री की गिरावट के बाद तापमान 34.9 डिग्री पर आ गया। गुना में तापमान 4.4 डिग्री तक लुढ़क गया और यहां 35.8 डिग्री दर्ज किया गया। ग्वालियर में 4.5 डिग्री की गिरावट के बाद तापमान 35 डिग्री पर आ गया। इंदौर में भी 3.9 डिग्री लुढ़का और तापमान 33.7 डिग्री दर्ज किया गया। उज्जैन में 2.5 डिग्री की गिरावट के बाद तापमान 35.5 डिग्री दर्ज किया गया। नर्मदापुरम में 40.7 डिग्री, टीकमगढ़ में 40 डिग्री, सिवनी में 39.4 डिग्री, मंडला में 39 डिग्री, खरगोन में 38.6 डिग्री, दमोह में 38.5 डिग्री, खंडवा में 38.5 डिग्री, मलाजखंड (बालाघाट) में 38.5 डिग्री, खजुराहो (छतरपुर) में 38.4 डिग्री, नरसिंहपुर-उमरिया में तापमान 38.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

केदारघाटी में नहीं फायर सर्विस स्टेशन, बाबा केदार का भरोसा

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर केदारनाथ यात्रा का मुख्य पड़ाव गुप्तकाशी है, जो पूरे क्षेत्र का सबसे बड़ा व्यवसायिक केंद्र भी है। यहां क्षेत्र के गांवों से रोजाना 60 से अधिक छोटे-वाहन पहुंचते हैं, जिससे सैकड़ों लोग खरीदारी को आते हैं। यहां बाजार क्षेत्र काफी सघन है।

इसके अलावा गुप्तकाशी से गौरीकुंड के बीच फाटा, रामपुर, सोनप्रयाग और गौरीकुंड में भी यही स्थिति है। यहां, आगजनी की घटना होने पर उसे काबू पाना आसान नहीं है, क्योंकि पूरे क्षेत्र में पर्याप्त जलापूर्ति नहीं होती है। बीते रविवार को सोनप्रयाग में चार मंजिला होटल में लगी आग को बुझाने में स्थानीय लोगों को इन्हीं दिक्कतों का सामना करना पड़ा। फायर सर्विस को पहुंचने में तीन घंटे तक अधिक समय लग गया, तब तक होटल का काफी हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। क्योंकि जनपद में एकमात्र फायर सर्विस स्टेशन रतूड़ा में हैं, जिसकी सोनप्रयाग से दूरी 83 किमी दूर थी।

त्रियुगीनारायण व्यापार संघ के अध्यक्ष महेंद्र सेमवाल, सोनप्रयाग व्यापार संघ के अध्यक्ष अंकित गैरोला, मनोज सेमवाल, नितिन जमलोकी आदि का कहना है कि यात्राकाल में बीते वर्ष गौरीकुंड में सिलिंडर फटने से एक दुकान में आग लग गई थी। इससे पूर्व भी यहां कई बार आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं, पर आग बुझाने के लिए प्रारंभिक स्तर की व्यवस्था भी नहीं है। पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने बताया कि गुप्तकाशी में फायर सर्विस स्टेशन स्वीकृत है, पर भूमि नहीं मिलने के कारण आगे की कार्रवाई नहीं हो पा रही है।

केदारनाथ यात्रा में स्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों को उपलब्ध कराएगा कीचन सामग्री

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। इस बार केदारनाथ यात्रा में पैदल मार्ग से धाम तक ड्यूटी वाले स्वास्थ्य कर्मी स्वयं भोजन बना सकेंगे। विभागीय स्तर पर कर्मियों को कीचन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वह यात्रा में भोजन पर होने वाले भारी खर्च से बच सकेंगे। साथ ही एमआरपी पर कर्मियों के विश्राम की उचित व्यवस्था की जा रही है, जिससे कर्मचारी स्वस्थ्यमनोस्थिति में यात्रा पर आने वाले यात्रियों और अन्य की स्वास्थ्य की जांच कर सके।

विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले केदारनाथ धाम तक पहुंचने के लिए यात्रियों को गौरीकुंड से केदारनाथ पहुंचने के लिए 16 किमी पैदल दूरी नापनी पड़ती है। पैदल मार्ग पर चीरबासा, जंगलचट्टी, भीमबली, लिनचोली, छानी कैंप, रुद्रा प्वाइंट, बेस कैंप और केदारनाथ प्रमुख पड़ाव है। यहां तक राशन, सब्जी और अन्य मूलभूत सामग्री को घोड़ा-खच्चरों

की मदद से पहुंचना पड़ता है। ढुलान दर अधिक होने से सामान का मूल्य भी बढ़ जाता है, ऐसे में यात्रा में ड्यूटी देने वाले कर्मियों को पूरे यात्राकाल में अपने खर्च पर होटल, ढाबा में नाश्ता, भोजन, मासिक बजट से काफी महंगा पड़ जाता है। इस समस्या से बचने के लिए इस बार मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राम प्रकाश ने अनूठी पहल की है।

उन्होंने केदारनाथ यात्रा में पैदल मार्ग और धाम में यात्रा ड्यूटी देने वाले कर्मियों को कीचन सामग्री उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। इसके तहत विभाग द्वारा प्रत्येक एमआरपी पर इंडेक्शन और कुछ जरूरी वर्तन की सुविधा दी जाएगी। ऐसे में कर्मचारी राशन खरीदकर स्वयं खाना बना सकेंगे और अपने मनपंसद का भोजन कर सकेंगे। ऐसे में उन्हें जहां अपने बजट के हिसाब से भोजन उपलब्ध होता रहेगा, वह वह पूरे मनोयोग से अपनी ड्यूटी दे सकेंगे। इनका कहना है -- यात्रा ड्यूटी में कर्मचारियों को उचित भोजन और विश्राम की सुविधा को लेकर प्राथमिकता से काम किया जा रहा है। सभी एमआरपी पर कर्मियों के लिए कीचन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही चीरबासा और छौड़ी एमआरपी पर दो-दो बेड की व्यवस्था का प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है।

-- डा. राम प्रकाश, मुख्य चिकित्साधिकारी रुद्रप्रयाग

काठमांडू में हालात सामान्य, हटाया गया कर्फ्यू

काठमांडू। राजशाही समर्थकों के हिंसक प्रदर्शन, तोड़फोड़ और आगजनी की घटना के बाद शुक्रवार शाम चार बजे लगाया गया कर्फ्यू शनिवार की सुबह सात बजे से हटा दिया गया है। कर्फ्यू हटाने के साथ ही जनजीवन सामान्य होने लगा है। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने शनिवार सुबह कर्फ्यू हटाने का फैसला लिया । प्रमुख जिलाधिकारी ऋषिराम तिवारी ने बताया कि स्थिति सामान्य होने के कारण सुबह सात बजे से काठमांडू के जिन क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाया गया था, उसे हटा लिया गया है। गया। इसी बीच जिला प्रशासन ने सेना को भी सड़कों से वापस भेज दिया गया है। प्रमुख जिलाधिकारी ने बताया कि जनजीवन सामान्य बनने के बाद सेना की आवश्यकता नहीं है। इसलिए उन्हें बैरक में वापस भेज दिया गया है। कल जिस जगह पर पर सबसे अधिक नुकसान हुआ था, लोग उस जगह को देखने के लिए पहुंच रहे है। काठमांडू के चौक चौराहों पर सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी देखी जा सकती है। गौरतलब है कि शुक्रवार को हिंसक झड़प के बाद काठमांडू के मैतीघर मंडला से लेकर संसद भवन तक, नयन बाणेश्वर से पुराने बाणेश्वर तक, कोटेश्वर से लेकर बालकुमारी तक और जड़ीबूटी से लेकर सिनामांगल तक के क्षेत्र में कर्फ्यू लगा दिया गया था।

मालदा के मोथाबाड़ी में सामुदायिक हिंसा के बाद इंटरनेट बंद, 34 गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मोथाबाड़ी इलाके में दो समुदायों के बीच हिंसा के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। अब तक 34 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि इलाके में इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बनी हुई है। पुलिस के अनुसार, हिंसा की शुरूआत गुरुवार को एक धार्मिक जुलूस के दौरान हुई, जो एक पूजा स्थल के पास से गुजर रहा था। इसके बाद हालात बिगड़ गए और कई जगहों पर आगजनी, तोड़फोड़ और मारपीट की घटनाएं सामने आईं। प्रशासन ने शुक्रवार को इलाके में शांति बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए।

राज्य सशस्त्र पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की तीन कंपनियां संवेदनशील इलाकों में तैनात की गई हैं। आईजी पुलिस राजेश यादव ने कहा, हमारी टीम इलाके में लगातार गश्त कर रही है और मोबाइल स्क्वाड पूरी सतर्कता से स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

मालदा पुलिस ने सोशल मीडिया पर बताया कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। अब तक छह मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से कुछ शिकायतें स्वतः संज्ञान में ली गई हैं, जबकि कुछ स्थानीय लोगों ने दी हैं।

पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि अभी तक केंद्रीय बल (सीएपीएफ) को जिले में तैनात नहीं किया गया है। तृणमूल कांग्रेस की स्थानीय विधायक व मंत्री सबीना यास्मिन ने दावा किया कि हालात जल्द सामान्य हो जाएंगे। उन्होंने कहा, 'हमने दोनों समुदायों के नेताओं के साथ शांति बैठक की, जिसका सकारात्मक असर दिखेगा। हालांकि, प्रशासन ने कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए इंटरनेट सेवाएं बंद करने का निर्णय लिया है, लेकिन धारा 144 लागू नहीं की गई है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने हिंसा के लिए ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, मोथाबाड़ी में हिंदुओं के घर और दुकानें जलाकर तबाह कर दी गईं। प्रशासन खामोश है, यह ममता बनर्जी की तुष्टिकरण की राजनीति का नतीजा है। उधर नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा, प्रभावित हिंदू दुकानदारों और उनके परिवारों को अपने नुकसान का आकलन करने तक नहीं दिया जा रहा है।

बिहार बोर्ड 10वीं का रिजल्ट घोषित, 82.11 प्रतिशत उत्तीर्ण

पटना। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने 10वीं मैट्रिक परीक्षा 2025 का रिजल्ट शनिवार दोपहर जारी कर दिया। जिसमें कुल 82.11 फीसदी छात्र सफल घोषित किए गए। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के सभागार में शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने नतीजे की घोषणा की। इस मौके पर बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष आनन्द किशोर और शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ भी मौजूद थे। बिहार बोर्ड के मैट्रिक की परीक्षा का रिजल्ट आज जारी हुआ। इस वर्ष 15 .68 लाख से ज्यादा छात्रों ने परीक्षा दी थी, जिसमें 12 लाख 79 हजार 294 ने सफलता पाई। यानी 82 .11 प्रतिशत छात्र मैट्रिक की परीक्षा में पास हुए। समस्तीपुर की छात्रा साक्षी कुमारी सबसे ज्यादा अंक लाकर परीक्षा में शीर्ष पर रहीं। इस वर्ष टॉप 10 में कुल 123 छात्र हैं। यहां तक कि शीर्ष स्थान पर भी 3 छात्र हैं। इनमें समस्तीपुर की साक्षी कुमारी, पश्चिम चम्पारण के गहिरी की अंशु कुमारी और भोजपुर के रंजन वर्मा हैं। तीनों ने 489 यानी 97 .80 प्रतिशत अंक हासिल किया। बिहार बोर्ड कक्षा 10वीं की परीक्षा 17 फरवरी से 25 फरवरी तक आयोजित की गई थी। परीक्षा में करीब 15 लाख 85 हजार छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था।इसके लिए राज्य भर में 1677 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। पिछले साल बिहार बोर्ड कक्षा 10 के नतीजों में कुल 4,52,302 छात्रों ने प्रथम श्रेणी हासिल की थी, जिसमें 2,52,846 लड़के और 1,99,456 लड़कियाँ थीं।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान को नए इलाकों तक बढ़ाया

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के जम्मू संभाग के कठुआ जिले के एक सुदूर जंगली इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच चार दिन से चल रही मुड़भेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान का दायर और बढ़ा दिया है। इसके आसपास नए इलाकों में भी तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। दोनों ओर से हुई गोलीबारी के बाद शुक्रवार को चौथे पुलिसकर्मी के पार्थिव शरीर के साथ मारे गए दो आतंकवादियों के शव बरामद हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि हेड कांस्टेबल जगबीर सिंह का पार्थिव शरीर राजबाग के घाटी जुथाना जंगल से बरामद किया गया और उसे जम्मू ले जाया गया है जहां पुलिस मुख्यालय गुलशन ग्राउंड के पास बलिदानी को श्रद्धांजलि दी गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े दो पाकिस्तानी आतंकवादियों के शव भी बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इलाके में मुठभेड़ गुरुवार सुबह शुरू हुई और शुक्रवार को पूरे दिन जारी रही, जिसमें चार पुलिसकर्मी बलिदानी हो गए और हाल ही में घुसपैठ करने वाले दो आतंकवादी मारे गए जबकि आतंकवादी समूह के अन्य सदस्यों की तलाश शनिवार को तीसरे दिन भी जारी है। इससे पहले अधिकारियों ने मरने वाले आतंकवादियों की संख्या तीन बताई थी लेकिन पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने शुक्रवार देर शाम स्पष्ट किया कि मुठभेड़ में केवल दो आतंकवादी मारे गए हैं और चार पुलिसकर्मी वीरगति को प्राप्त हुए हैं। बलिदानी पुलिसकर्मियों में बलविंदर सिंह चिब, जसवंत सिंह, तारिक अहमद और हेड कांस्टेबल जगबीर सिंह के पार्थिव शरीर कल शाम बरामद किए गए थे। डीजीपी की अगुवाई में जिला पुलिस लाइन कठुआ में श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर जवानों के परिवारों को सौंप दिए गए।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबल मुठभेड़ स्थल की तलाशी अभियान में जुटे हुए हैं। आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार कर दहशत खत्म करने के लिए बिलावर हाइट्स सहित आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि आज सुबह भी मुठभेड़ स्थल के पास गोलीबारी और विस्फोटों की तेज आवाजें सुनी गईं लेकिन बाद में यह स्पष्ट किया गया कि आतंकवाद विरोधी रणनीति के तहत सुरक्षाबलों द्वारा जानबूझकर गोलीबारी की गई थी और विस्फोटक की आवाज बिखरे हुए विस्फोटक पदार्थों को नष्ट करने के कारण हुई थीं। सेना की राईजिंग स्टारकोर ने कहा कि 27 मार्च से लगातार चलाए जा रहे अभियान में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया है और युद्ध जैसे सामान बरामद किए गए हैं। अभियान अभी जारी है।

डीजीपी नलिन प्रभात ने पुष्टि की कि यह आतंकवादियों का वही समूह था जिसे 23 मार्च की शाम को हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सानियाल गांव में रोका गया था लेकिन वह भागने में सफल रहे। उन्होंने संकल्प लिया कि उनका बल यह सुनिश्चित करेगा कि सभी आतंकवादी समूहों से उचित तरीके से निपटा जाए। कठुआ में श्रद्धांजलि समारोह के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डीजीपी ने कहा कि उनके नुकसान की भरपाई शब्दों से नहीं बल्कि कामों से दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस का न तो इरादा कमजोर हुआ है और न ही हमारा लक्ष्य हमसे दूर है।

न्यूज IN ब्रीफ

झांसी मेडिकल कॉलेज को जल्द मिलेंगे कैंसर रोगियों के उपचार वाली आधुनिक मशीनें

झांसी। गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने कैंसर मरीजों को झांसी मेडिकल कॉलेज में इलाज की आधुनिक सुविधा के लिए प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग पार्थ सारथी सेन शर्मा से लखनऊ में मुलाकात की है। उन्होंने झांसी और बुंदेलखंड क्षेत्र में कैंसर के मरीजों के सामने उपचार की चुनौतियों को दूर करने को झांसी मेडिकल कॉलेज में कैंसर मरीजों की सिकाई (रेडिएशन) के लिए मशीन लगवाने एवं पेंडिंग आयुष्मान कार्ड की समस्या के समाधान को लेकर पत्र सौंपा। उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा कि बुन्देलखण्ड के कई जिलों के लोग इलाज कराने झांसी आते जाते हैं। लेकिन यहां के मेडिकल कॉलेज में कैंसर के इलाज के लिए आवश्यक मशीनें न होने के कारण लोग मध्यप्रदेश के ग्वालियर में स्थित अस्पतालों में जाने को मजबूर हैं। इसके अतिरिक्त कैंसर में सिकाई के लिए कीमो थेरेपी की बहुत ज्यादा आवश्यकता पड़ती है, जिसकी मशीन भी मेडिकल कॉलेज में नहीं है। विधायक ने बताया कि बुन्देलखण्ड में अधिकतर लोग कैंसर से पीड़ित हैं और इलाज के लिए मशीनों की सुविधा न होने के कारण गरीब लोग मरीज का इलाज नहीं करा पाते हैं। इलाज के अभाव में मरीजों की असमय मृत्यु हो जाती है। कैंसर की मशीनें यदि मेडिकल कालेज में स्थापित हो जाएं तो कैंसर जैसी गम्भीर बीमारियों से पीड़ित गरीब लोगों के लिये वरदान साबित होगा। बुन्देलखण्ड के अधिकतर गांवों में कैंसर से पीड़ित 10-20 मरीज देखे जा रहे हैं। कैंसर की मशीनों के लिए बुन्देलखण्ड विकास निधि के राज्यांश के माध्यम आम लोगों के हितों को देखते हुये जल्द से जल्द प्रावधान किया जाना चाहिए। विधायक के इस पत्र के मिलने के बाद प्रमुख सचिव स्वास्थ्य ने झांसी मेडिकल कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य से बात की और कैंसर की मशीनों के लिए प्रस्ताव भेजने को कहा। उन्होंने कहा कि वह शासन से बजट का प्रबंध करवाकर झांसी मेडिकल कॉलेज में कैंसर की मशीनें लगवाने के लिए शासन की स्वीकृति जल्द कराएंगे।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पत्रकार के निधन पर शोक व्यक्त किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वरिष्ठ पत्रकार देशराज बान्टा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उनका निधन 87 वर्ष की आयु में शुक्रवार को जिला कांगड़ा के पालमपुर में हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारिता क्षेत्र में देशराज बान्टा के अतुलनिय योगदान है, उनके कार्य कोक सदैव स्मरण किया जाएगा। उन्होंने परमात्मा से दिवंगत आत्मा की शान्ति तथा शोक संतप्त परिजनों को इस अपूर्णीय क्षति के सहन करने की प्रार्थना की है।

मुख्य पार्षद ने अधिकारियों के साथ छठ घाट का किया निरीक्षण

नवादा। नवादा नगर परिषद के मुख्य पार्षद पिंकी कुमारी के साथ उप मुख्य पार्षद कंचन विश्वकर्म, कार्यपालक पदाधिकारी डॉअजीत कुमार शर्मा एवं समाजसेवी पूर्व मुख्य पार्षद संजय साव और समाजसेवी कैलाश विश्वकर्मा ने शनिवार को नवादा नगर के प्रसिद्ध सूर्य मंदिर सूर्य धाम छठ घाट का निरीक्षण किया । अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश भी दिए। समाजसेवी तथा नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष संजय साव ने बताया कि चैती छठ को लेकर नगर परिषद की ओर से छठ घाटों पर साफ सफाई से लेकर पानी के बेहतर इंतजाम किए जा रहे हैं ।उन्होंने कहा कि नवादा नगर के प्रमुख सूर्य मंदिर छठ घाट पर तलावों की साफ सफाई कर दी गई है। वहां खुरी नदी में भी आगे से पानी लाने की व्यवस्था की जा रही है ।ताकि छठव्रतियों तथा श्रद्धालियों को किसी प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े । उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी तथा एसपी से मिलकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने का भी अनुरोध किया गया ।उन्होंने बताया कि पवित्रम छठ के लिए नगर परिषद गलियों तथा मोहल्लों की भी सफाई कर रही ।नवादा नगर सहित आसपास के इलाकों में निर्मित छठ घाटों की सफाई का काम भी पूरा कर लिया गया है ।उन छठ घाटों पर शुद्ध जल की व्यवस्था कर ली गई है। ताकि छठव्रतीआराम से स्नान कर भगवान सूरज को अर्ध प्रदान कर सकें।

सड़क किनारे बने मकान से 14 पेटी अवैध शराब जब्त, एक गिरफ्तार

राजगढ़। भोजपुर थाना पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम दुगार्पुरा जोड़ के नजदीक सड़क किनारे बने मकान से 14 पेटी अवैध शराब जब्त की, जिसकी कीमत 49 हजार रुपए बताई गई है। वहीं, मौके से एक आरोपित को गिरफ्तार किया। इस संबंध में थानाप्रभारी रजनेश सिरोठिया ने शनिवार को बताया कि मुखबिर की सूचना पर बीती रात ग्राम दुगार्पुरा जोड़ के नजदीक सड़क किनारे बने मकान से 14 पेटी कुल 126 लीटर अवैध शराब जब्त की, जिसकी कीमत 49 हजार रुपए है। पुलिस ने मौके से रमेश पुत्र बंशीलाल तंवर निवासी डूंगरगांव राजस्थान हाल खीमापुरी को गिरफ्तार किया, जो जब्त शराब से संबंधित कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है। कार्रवाई के दौरान थानाप्रभारी रजनेश सिरोठिया, एएसआई कैलाश दांगी, प्रआर.जयप्रकाश चक्रवर्ती, रामगोपाल दांगी, आर.विनोद सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

सनातनी नववर्ष पर सनातनधर्मियों के लिए शंकराचार्य जारी करेंगे सनातनी पंचांग

वाराणसी। सनातनी नववर्ष पर रविवार को ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती सनातनधर्मियों के लिए सनातनी पंचाग का विमोचन कर नववर्ष का संदेश भी देंगे। शंकराचार्य घाट पर ही शंकराचार्य सनातनी पंचांग के विमोचन के साथ वार्षिक फलादेश का वाचन भी करेंगे। शनिवार को यह जानकारी श्री विद्यामठ के संजय पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि केदारघाट के बगल में स्थित शंकराचार्य घाट पर प्रतिदिन प्रातः आयोजित होने वाले प्रातर्मंगलम कार्यक्रम के वार्षिकोत्सव पर विविध आयोजन होंगे,ज्योतिर्मठ के वर्ष भर के कार्य योजना पर प्रकाश डाला जाएगा। शंकराचार्य गौमाता के प्राणों की रक्षा व गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कराने के लिए बनाई गई गौनीति की जानकारी भी देंगे।

सरहुल की शोभा यात्रा को लेकर बदली रांची की ट्रैफिक व्यवस्था

संवाददाता

रांचीः प्रकृति पर्व सरहुल एक अप्रैल को मनाया जाएगा। इसे लेकर प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। वहीं, शोभायात्रा में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक रूट में बदलाव किया गया है। इसके तहत शहर में सुबह छह से रात 12 बजे तक बड़े वाहनों के प्रवेश पर वर्जित रहेगा। इस दौरान सभी भारी और बड़े वाहन रिंग रोड होकर ही अपने गंतव्य स्थान तक जायेंगे। दोपहर एक बजे से सिरमटोली सरना स्थल की ओर व मेन रोड में सामान्य वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

निजी और यात्री वाहनों के लिए रूट प्लानः रांची के यातायात पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी की गयी अधिसूचना के मुताबिक निजी और यात्रों वाहनों के लिए एसएसपी आवास चौक से एसएसपी चौक से कचहरी चौक, शहीद चौक जाने वाले मार्ग में सामान्य वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। इसके अलावा सर्कुलर रोड से आने वाले वाहन जेल चौक तक ही पहुंच सकेंगे और उसी जगह से अन्य जगहों पर संचालित हो सकेंगे। वहीं, जाकिर हुसैन पार्क से कमिश्नर चौक रेडियम चौक आने वाले रोड में भी सामान्य वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी रहेगी।

पुराना नगर निगम कार्यालय वाले मार्ग से कमिश्नर चौक, अपर बाजार से शहीद चौक, चडरी तालाब से अलबर्ट एक्का चौक, थड़पखना वाले मार्ग के साथ साथ पुरुलिया रोड से सर्जना चौक, विष्णु सिनेमा मार्ग से मेन रोड की तरफ आने वाले सामान्य वाहनों का आवागमन पर पाबंदी लगायी गयी है।

पश्चिमी अपर बाजार से टैक्सी स्टैंड तक भी नहीं आ जा सकेंगेः पश्चिमी अपर बाजार से टैक्सी स्टैंड के तरफ आने वाले सामान्य वाहनों के आने जाने पर रोक रहेगी। वहीं, चर्च रोड से मेन रोड, उल हाउस के पास मेन रोड की तरफ, कर्बला चौक से रतन पीपी, पीपी कंपाउंड से सुजाता चौक, राजेंद्र चौक से ओवर ब्रीज होकर सुजाता चौक, पटेल चौक से मुंडा चौक, बहु बाजार से मुंडा चौक होते हुए सिरमटोली, जमशेदपुर रोड नामकुम क्षेत्र से चुटिया केतारी बगान होकर मुंडा चौक या बहु बाजार तक सामान्य वाहनों के आवागमन रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा कांटा टोली से बहू बाजार आने जाने वाले सामान्य वाहनों का परिचालन भी बहू बाजार तक होगा। इसके बाद वहां से चुटिया थाना तक ही वाहन चालक जा सकते हैं। साथ ही साथ पिस्का मोड़ से रातू रोड न्यू मार्केट चौक की तरफ भी सामान्य आ जा नहीं सकेंगे। ट्रैफिक पुलिस ने कहा है कि रांची के अन्य मार्गों में सरहुल शोभा यात्रा के अवसर पर यातायात को आवश्यकता अनुसार डायवर्ट किया जाएगा।

पिछले एक सप्ताह से लापता है चिंगरी गांव का लच्छू

गुमला : जिला अंतर्गत स्थित बिशुनपुर थाना क्षेत्र के चिंगरी गांव निवासी 50 वर्षीय लच्छू उरांव गत बुधवार घर से निकाला और फिर अब तक लौट कर घर नहीं आया है। इधर परिजन द्वारा काफी खोजबीन की गयी परन्तु उसका कुछ भी अता पता नहीं चला। एक सप्ताह बाद उसके पुत्र अभिषेक उरांव ने अपने पिता की खोजबीन के लिए बिशुनपुर पुलिस से गुहार लगायी है। साथ ही साथ उप प्रमुख चंदन सिंह एवं बीडीओ सूलेमान मुंडरी से भी उसके पुत्र ने मिलकर बताया कि मेरे पिता की दिमागी हालत ठीक नहीं है । वे पिछले बुधवार को सफेद टी-शर्ट एवं सफेद धोती पहनकर घर से निकले हैं और अब तक घर नहीं लौटे हैं। अतः उन्हें जल्द खोज निकालने में सहयोग करने का आग्रह किया है।

मिड-डे मील खाने के बाद बच्चों की बिगड़ने लगी तबीयत,एक बच्ची ने तोड़ा दम

संवाददाता

चाईबासा : मिड-डे-मील खाने से बच्चों में फूड प्वाइजनिंग हो गई जिससे एक बच्ची की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मामला जिले के जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र के जेटेया पंचायत स्थित नयागांव का है। बताया जा रहा है कि प्राथमिक विद्यालय नयागांव ओड़िया स्कूल में मिड-डे मील सभी बच्चों को दाल-चावल और आलू की सब्जी परोसी गई। मिड-डे मील खाने के कुछ देर बाद बच्चों में फूड प्वाइजनिंग हो गई। बच्चों को उल्टी और दस्त होने लगे। आनन-फानन में बच्चों को अस्पताल ले जाया गया जहां 6 साल की बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई।वहीं, अन्य बच्चों का इलाज जारी है। एक बच्चे की स्थिति गंभीर होने पर उसे चाईबासा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना के आधार पर स्वास्थ्य विभाग की टीम मामले की जांच में जुटी है।

32वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल चला रही है नक्सल विरोधी अभियान

गुमला : 32वीं वाहिनी सशत्र सीमा बल गुमला नक्सलरोधी अभियान हेतु गुमला और लोहरदगा जिला में तैनात है। प्रचालनात्मक कार्यों के अलावा समय -समय पर विभिन्न नागरिक कल्याण कार्यक्रमों, सामुदायिक चेतना शिविरों, मानव एवम् पशु चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है ताकि ग्रामीण युवकों को सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके ,जिसका मुख्य उद्देश्य वामपंथी प्रभावित क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं के रोजगार का सृजन हो सके, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें । इस कार्यक्रम के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में 32वीं वाहिनी सशत्र सीमा बल गुमला के उप कमांडेंट दिव्यज्योति उपस्थित थे । एक प्रशिक्षण में सफल 34 लड़कियों और 06 लड़कों को , की बोर्ड, पेन ड्राइव और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । अतिथियों का स्वागत महेंद्र भगत, द्वारा पुष्प गुच्छ एवं साल ओढाकर किया गया । इस अवसर पर बनारी कैंप के सहायक कमांडेंट अभिषेक प्राचार्य पंकज कुमार सिंह, मास्टर ट्रेनर संजय कुमार के अलावा 32 एसएसबी के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे ।

निर्दोष लोगों पर किये गये केस वापस लिए जाये अन्यथा विश्व हिंदू परिषद करेगा उग्र आंदोलन

संवाददाता

गुमला : जिला अंतर्गत स्थित घाघरा पुलिस के भय से घाघरा वासियों ने महा रामनवमी उत्सव त्योहार नहीं मनाने का मामला अब तुल पकड़ता जा रहा है। इसी संबंध में विश्व हिंदू परिषद गुमला के पदाधिकारी घाघरा पहुंचे और केंद्रीय महावीर मंडल घाघरा के लोगों से साथ एक आवश्यक बैठक करते हुए विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अजय सिंह ने कहाकि पुलिस के भय से घाघरा में महा रामनवमी उत्सव त्योहार नहीं मनाना पुलिस के द्वेषपूर्ण कार्यवाही को दर्शाता है । अतः जिला एवं पुलिस प्रशासन इस पर पहल करें और वर्षों से चली आ रही महा रामनवमी में जुलूस की परंपरा बरकरार रहें । घाघरा वासियों द्वारा भी धूमधाम से महारामनवमी महोत्सव का त्यौहार मनाया जाये। अतः जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा पहल करते हुए , पुलिस द्वारा निर्दोष लोगों को फंसाए जाने का मामला प्रकाश में आया है । उसपर निष्पक्ष जांच करते हुए निर्दोष लोगों का नाम हटाया जाये , अन्यथा उग्र आंदोलन किया जाएगा। उक्त बैठक में अजय सिंह , मुकेश सिंह, केशव चंद्र साय, मनोज वर्मा, कुलदीप सिंह, अमित कुमार सहित अन्य अनेक लोग उपस्थित थे ।

जंगली हाथियों का आतंक जारी दो लोगों को कुचलकर मार डाला

सिमडेगाः जिले में शुक्रवार को अलग-अलग घटनाओं में जंगली हाथियों के हमले में 2 लोगों की मौत हो गई। एक वन अधिकारी ने यह जानकारी दी।

वन अधिकारी ने बताया कि महाबुआंग पुलिस थाना अंतर्गत बुरुइर्गी देबाटोली गांव में शुक्रवार देर रात करीब 1 बजे अपने घर के बाहर सो रहे 28 वर्षीय विकास ओहदार नामक व्यक्ति को हाथी ने कुचलकर मार डाला। सिमडेगा के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) शशांक शेखर सिंह ने बताया कि दूसरी घटना बानो थाना क्षेत्र के जामंग गांव में सुबह करीब छह बजे हुई। यहां पास के जंगल में महुआ के फूल एकत्र करने गई सिबिरया लुगुन नामक 45 वर्षीय महिला को हाथी ने हमला कर मार डाला।

वन विभाग ने मृतक के परिजनों को तत्काल राहत के रूप में 10,000 रुपये प्रदान किए। अधिकारी ने बताया कि औपचारिकताएं पूरी होने के बाद मुआवजे की शेष राशि परिजनों को प्रदान की जाएगी। हाथी के हमले में जान गंवाने वालों को झारखंड सरकार 4 लाख रुपए का मुआवजा देती है।

पिता के सामने मासूम के साथ किया दुष्कर्म, दर्द से कराह रही बच्ची का नहीं हुआ इलाज

धनबाद : पिता के सामने बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। यहां नशे में धुत्त होकर सो रहे पिता के सामने बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ।

मामला जिले के कुमारधुबी का है। बताया जा रहा है कि बुधवार देर रात को एक युवक एक घर में घुस गया। घर का दरवाजा खुला था। शराब के नशे में धुत पिता के बगल में 10 साल की बच्ची सोई हुई थी। युवक ने बच्ची का मुंह दबाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। अगले दिन ग्रामीणों को पता चला तो ग्रामीणों ने युवक की जमकर पिटाई की। लोगों ने युवक को गांव से निकालने की मांग की है। इतना ही नहीं ग्रामीणों ने बच्ची के पिता की भी पिटाई की। लोगों का कहना है कि बच्ची के पिता यदि शराब के नशे में नहीं रहता तो घटना नहीं होती। कहा जा रहा है कि आरोपी युवक पहले भी 2 बार बच्ची के साथ दुष्कर्म कर चुका है। वहीं, खबर लिखे जाने तक दर्द से कराह रही बच्ची का इलाज भी नहीं कराया गया है।

विकास कार्यों को लेकर कई ट्रेनें रहेंगी रद्द, कई के रूट बदले

रांची : भारतीय रेलवे ने विकास कार्य की वजह से कई ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। इस दौरान कुछ ट्रेन तरह से रद्द रहेंगी। जिन ट्रेनों को रद्द किया गया है उनमें झारग्राम-धनबाद-झारग्राम मेमू एक्सप्रेस प्रमुख है। जबकि कुछ ट्रेनों के रूट में परिवर्तिन भी किया गया है। यात्रियों को सफर से पहले ट्रेन की स्थिति जांच की सलाह दी गई है, ताकि वे किसी भी तरह की असुविधा से बच सकें।

टाटा-हटिया एक्सप्रेस के मार्ग में परिवर्तिनः रेलवे ने 2 अप्रैल को टाटानगर से हटिया जाने वाली टाटा-हटिया एक्सप्रेस (18601) के मार्ग में बदलाव किया है। यह ट्रेन अब चांडिल, पुरूलिया, कोटशिला की बजाय चांडिल, गुंडबिहार, मुरी होकर हटिया पहुंचेगी।

1 से 6 अप्रैल तक ये ट्रेनें रहेंगी रद्द : रेलवे ने कुछ ट्रेनों को रद्द करने का फैसला किया है। इससे यात्रियों को परेशानी हो सकती है, खासकर उन लोगों को जो इस दौरान कहीं बाहर जाने की योजना बना रहे हैं।

बिना ड्राइवर के 200 मीटर तक दौड़ी बस, कई बाइक टूटे, घर की दीवार ढही

संवाददाता

धनबाद : जिले में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक बस बिना ड्राइवर के चलने लगी। इस दौरान अफरा-तफरी मच गई। वहीं, घटना में कई बाइक और एक मकान की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है।

मामला जिले के महुदा-राजगंज एनएच-32 का है। बताया जा रहा है कि चालक बस को सड़क के किनारे लगाकर शौच के लिए उतरा। इस दौरान ढलान होने के कारण बस अचानक आगे बढ़ने लगी और करीब 200 मीटर तक बेकाबू होकर दौड़ती रही। बस को बिना चालक के दौड़ता देख इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सड़क पर मौजूद लोग घबराकर अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान बस ने कई बाइक को क्षतिग्रस्त कर दिया और एक मकान की दीवार और स्ट्रीट लाइट को भी तोड़ दिया।

तेज रफ्तार बस ने एक मकान की दीवार में जोरदार आवाज के साथ टक्कर मारी और रुक गई। हालांकि इससे घर और उसके अंदर रहे लोगों को कुछ नुकसान नहीं हुआ। घर के लोग बाल-बाल बचे। राहत की बात है कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। अगर बस में यात्री होते थे तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने बस को जब्त कर लिया। इस घटना को लेकर चालक की लापरवाही सामने आई है।

कर्रा सीओ के खिलाफ आदिवासी समुदाय का प्रदर्शन, हटाने की मांग

संवाददाता

खूंटीः जिले में कर्रा सीओ के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। आदिवासियों ने कहा कि हमको यह सीओ नहीं चाहिए। इस सीओ ने हमें जमीन के मामले में परेशान कर दिया है। उन्होंने सीओ को हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

आदिवासी समाज का कहना है कि जमीन के कागजों में किसी का सरनेम लेदा उरांव है तो किसी का लउआ मुंडा भी है, किसी का धांधू है तो किसी का साधु भी है। किसी का टाइटल होरो है, खाखा है। लेकिन यहां आए नए-नए अधिकारी तो सही से लिख भी नहीं पाते हैं, तिर्की को खिड़की लिखते हैं। यह हालत है इनकी, खुद गलत करते हैं और फिर कहते हैं कि नाम सुधारने के लिए प्रज्ञा केंद्र जाइये।

आदिवासी समाज आरोप है कि जमीन की रसीद में भी सब उल्टा-पुल्टा कर दिया गया है। इसी सिलसिले में बंधु तिर्की ने अधिकारियों की कार्यशैली से लेकर उनके एजुकेशन पर भी सवाल खड़ा कर दिया है। जिला में पहली बार किसी अधिकारी को भगाने के लिए आदिवासियों का जुटान हुआ है। जिसमें आदिवासियों के विभिन्न संगठनों ने समर्थन किया और कर्रा के प्रखंड कार्यालय के गेट पर सीओ के खिलाफ सभा की और कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की कर्रा सीओ के खिलाफ धरना देने कर्रा पहुंचे।

यहां सीओ वंदना भारती द्वारा कर्रा के आदिवासी मूलवासी की जमीन के कागजों के साथ छेड़छाड़ कर दूसरे के नाम करने का आरोप लगाते हुए विरोध की शुरूआत हुई है। संयुक्त पड़हा संघ के बैनर तले शुक्रवार में कर्रा सीओ भगाओ-जमीन बचाओ को लेकर विशाल जुलूस सह धरना प्रदर्शन कर्रा में किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि बंधु तिर्की सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने तीखे शब्दों में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सीओ खुद से कर्रा छोड़ कर चली जाएं तो बेहतर रहेगा, नहीं तो दोबारा आये तो जनता के साथ प्रखंड कार्यालय घुसेंगे और निकाल फेकेंगे।

ऐसी सीओ सरकार को बदनाम करती हैं। कर्रा क्षेत्र में जितनी भी जमीन हैं लगभग जमीनों पर गलत तरीके से उसकी बंदोबस्ती की गयी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में हुए बंदोबस्ती को रद्द करने के साथ साथ सीओ की संपत्ति की भी जांच और कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है, साथ ही सरकार से अनुरोध किया है कि ऐसे सीओ को कर्रा न भेजें। कर्रा सीओ पर अवैध रूप से जमीन में छेड़छाड़ करने व जमीन दलालों से मिलकर आदिवासी मूलवासी लोगों का जमीन लूटने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस सीओ ने जो काम किया वह किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बंधु तिर्की ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कर्रा की सीओ वंदना भारती को कर्रा से जाना होगा। अबुआ सरकार को किसी भी हाल में कर्रा सीओ वंदना भारती को कर्रा से हटाना होगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्र में आदिवासी सीओ दो, हमको न्याय दो, अंचल अधिकारी को तुरंत हटाना चाहिये।